संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 144
पृष्ठ 8
गुरूवार
12 फरवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- अस्थमा से पीड़ित मरीजों में...

विचार- नये दौर के प्रेम में शोर कम, समझ ज्यादा

खेल- एपस्टीन फाइल्स में फ्रांस के इस...

चुनावी साल में हुई तोहफों की बारिश

दस लाख नौकरी संभावित, लड़कियों की शादी में अब एक लाख

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने दसवां बजट पेश किया। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2026–27 का बजट प्रस्तुत किया। विधान चुनाव से पहले यह दूसरे कार्यकाल का आखिरी पूर्ण बजट है। वित्त मंत्री ने सदन में 9.12 लाख करोड़ का बजट पेश किया। इसमें निवेश, रोजगार, बुनियादी विकास और कल्याणकारी योजनाओं पर फोकस किया गया है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि यूपी में 10 लाख युवाओं को रोजगार संभावित हैं। लड़कियों की शादी के लिए सरकार एक लाख रुपये देगी। यूपी का इस बार का बजट का आकार नौ लाख 12 हजार 696 करोड़ रुपये का है। पिछले बजट की तुलना में 12 प्रतिशत बढ़ोतरी

हुई है।

पीपीपी मोड में कौशल संवर्द्धन और जॉब प्लेसमेंट केंद्र विभिन्न जनपदों में स्थापित किए जाएंगे। इस व्यवस्था से कार्यबल में महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने के लिए महिलाओं के लिए अलग केंद्रों की स्थापना की जाएगी। पढ़ाई के साथ–साथ युवाओं के कौशल संवर्द्धन की व्यवस्था की जानी होगी। हमारे कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्रों की क्षमता बढ़ाई जाएगी। नए केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इस अभियान में निजी क्षेत्र की सहभागिता भी सुनिश्चित की जानी होगी। ऐसे व्यक्ति जिनके पास किसी भी व्यवसाय में हस्तकौशल या निपुणता प्राप्त है, कभी भी बेरोजगार नहीं रह सकते। इसलिए युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगारपरक प्रशिक्षण और कौशल संवर्धन को प्राथमिकता के आधार पर मिशन मोड में संचालित किया जाना आवश्यक है। एक तरफ जहां अर्थव्यवस्था में पूंजी निवेश और अवस्थापना विकास का महत्वपूर्ण योगदान है। वहीं प्रदेश की युवा जनशक्ति को रोजगार के अवसर प्रदान करने, उन्हें रोजगार के लिए सक्षम बनाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। प्रदेश में डिजिटल इन्टरप्रन्योरशिप योजना पर कार्य किया जाएगा। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के अगले चरण के रूप में जनविश्वास सिद्धांत के आधार पर उद्योगों को प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। इसमें रजिस्ट्रेशन, लाइसेसिंग आदि कार्यवाहियों को और अधिक सहज एवं सुगम बनाया जाएगा। विश्व बैंक सहायतित यूपी एग्रीज परियोजना के अन्तर्गत एग्री–एक्सपोर्ट हब की स्थापना कराई जाएगी। एसडीजी इंडिया इण्डेक्स में उत्तर प्रदेश की रैंकिंग जो वर्ष 2018–2019 में 29 वें स्थान पर थी, बेहतर होकर वर्ष 2023–2024 में 18 वें स्थान पर आ गयी है। राज्य सरकार द्वारा फरवरी, 2024 में चौथे ग्लोबल इन्वेस्टर्स सम्मिट का सफलतम आयोजन किया गया। अब तक लगभग 50 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हस्ताक्षरित हो चुके हैं जिनसे लगभग 10 लाख रोजगार का सृजन सम्भावित है। इनमें से, अब तक लगभग 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश की लगभग 16 हजार से अधिक परियोजनाओं के 04 ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह सम्पन्न हो चुके हैं। उत्तर प्रदेश भारत का सबसे बड़ा मोबाइल फोन विनिर्माण केन्द्र है। देश के कुल मोबाइल फोन उत्पादन का 65 प्रतिशत उत्पादन प्रदेश में होता है।

भारत का डेटा बेचा गया? राहुल गांधी के आरोपों पर अश्विनी वैष्णव का पलटवार

नई दिल्ली,एजेंसी। देश की राजनीति में एक बार फिर डेटा सुरक्षा और अमेरिका–भारत व्यापार समझौता चर्चा के केंद्र में आ गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा भारत के डेटा के साथ समझौता किए जाने के आरोपों के बाद केंद्र सरकार ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राहुल गांधी के बयान पर जवाब देते हुए कहा भारत का डेटा श्डेटा प्रोटेक्शन एक्टश के तहत सुरक्षित है। देश के सभी संवेदनशील क्षेत्रों के अपने–अपने नियम हैं। आरोप लगाने से पहले तथ्यों की पुष्टि कर लेनी चाहिए। सरकार का स्पष्ट कहना है कि देश की डेटा संप्रभुता से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया गया है। बुधवार को लोकसभा में अपने संबोधन के दौरान राहुल गांधी ने भारत की ताकत को जनता और डेटा से जोड़ा। उन्होंने कहा कि 1.4 अरब लोगों का देश सिर्फ जनसंख्या के आधार पर ही नहीं, बल्कि डेटा के विशाल भंडार के कारण भी वैश्विक शक्ति बन सकता है। उन्होंने एआई की तुलना इंजन से करते हुए कहा कि जैसे इंजन को पेट्रोल की जरूरत होती है, वैसे ही एआई को डेटा की आवश्यकता होती है। अगर आपके पास पेट्रोल यानी डेटा नहीं है, तो एआई बेकार है। राहुल गांधी के मुताबिक, इस समय दुनिया में दो बड़े डेटा पूल हैं भारत और चीन। ऐसे में भारत के पास वैश्विक शक्ति बनने का सुनहरा अवसर है।

अनुराग ठाकुर ने बजट को बताया 'डेवलपमेंट एक्सप्रेस', बोले-

यह 'ए से जी' तक सभी वर्ग के लिए लाभकारी

नई दिल्ली,एजेंसी। लोकसभा में केंद्रीय बजट 2026–27 पर चर्चा के दौरान भाजपा सांसद ने इसे देश के विकास और समावेशन को लेकर नया संदेश बताया। ठाकुर ने इसे 'डेवलपमेंट एक्सप्रेस' बताते हुए कहा कि यह सिर्फ आय–व्यय का लेखा–जोखा नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और समाज के हर वर्ग के कल्याण की व्यापक दृष्टि है। उन्होंने केंद्रीय बजट को देश के श्विकसित भारतश के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। अनुराग ठाकुर ने कहा कि यह बजट सबका जिक्र और सबकी फिक्र के सिद्धांत पर आधारित है और यह केवल आय–व्यय का लेखा–जोखा नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और सामाजिक कल्याण सुनिश्चित करने की व्यापक योजना है। अनुराग ठाकुर ने इसे डेवलपमेंट एक्सप्रेस बताते हुए कहा कि यह बजट देश को तेजी से प्रगति और समृद्धि की ओर ले जाएगा। उन्होंने बताया कि सरकार ने इस बजट में समग्र और संतुलित

दृष्टिकोण अपनाया है, जिसमें कृषि, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आधुनिक विनिर्माण और स्टार्टअप्स तक सभी क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है। इसके साथ ही गांवों में बुनियादी सुविधाओं, किसानों की मदद, डिजिटल नवाचार और तकनीकी विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तीकरण और युवाओं के कौशल विकास को समावेशी विकास के मुख्य स्तंभ के रूप में रखा गया है। बजट के ये प्रावधान समाज के हर वर्ग को आगे बढ़ाने में मदद करेंगे।अनुराग ठाकुर ने आधारभूत ढांचे के विकास पर भी जोर दिया। ठाकुर ने आगे कहा कि सड़कों, रेलवे, हवाई अड्डों और शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर में बढ़ा हुआ निवेश रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा और विभिन्न क्षेत्रों में मांग बढ़ाएगा। साथ ही हरित ऊर्जा, सतत विकास और तकनीकी आधुनिकीकरण को भी प्राथमिकता दी गई है, ताकि भारत वैश्विक मानकों के अनुसार आगे बढ़ सके। आर्थिक अनुशासन पर बात करते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि विकास और राजकोषीय संयम का संतुलन बनाए रखा गया है। इसके साथ भी भाजपा सांसद ने कहा कि इससे राजकोषीय समेकन, लक्षित सहायता और संसाधनों के प्रभावी उपयोग से दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित होगी।

योगी बोले- 9 वर्ष के नवनिर्माण की गाथा को दर्शाता है बजट, रूल ऑफ लॉ रियल ग्रोथ की गारंटी

लखनऊ,संवाददाता। सीएम योगी ने आगे कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में सुरक्षा का वातावरण नहीं था। पर्यटन की कोई ठीक व्यवस्था नहीं थी। आज करोड़ों लोग आकर यूपी में धार्मिक स्थलों पर दर्शन करते हैं। 50 हजार नए होम स्टे की दिशा में काम करेंगे। चिकित्सा के क्षेत्र में यूपी ने काफी ग्रोथ की है। पीएम आयुष्मान योजना से पांच करोड़ से ज्यादा गोल्डन कार्ड यूपी के लोगों को दिए गए। दिव्यांग छात्राओं को लिए ई–ट्राईसाइकिल की व्यवस्था की गई है। आज यूपी देश के ग्रोथ इंजन के रूप में आगे बढ़ रहा है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए ईक्यूब के रूप में महिला सुरक्षा बल 13 फीसदी से बढ़कर 36 फीसदी हुआ है। महिलाओं के लिए क्रेडिट कार्ड योजना चलाई जाएगी। ताकि वह छोटे–छोटे काम के लिए किसी से ऋण न लेना पड़े और उन्हें ब्याजमुक्त ऋण मिल सके। इसके लिए बजट की व्यवस्था की गई है। युवाओं को ध्यान में रखते हुए सभी 18 कमिश्नरी में स्पोर्ट कॉलेज बनाए जाएंगे। इसके लिए बजट में धनराशि की व्यवस्था है। हर ग्राम पंचायत स्तर पर ओपन जिम, मिनी स्टेडियम, खेलो इंडिया के कार्यक्रम आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चार चीनी मिलों की क्षमता विकसित करने के प्रावधान किए गए हैं। अवस्थापना और औद्योगिक विकास के लिए बजट की व्यवस्था की गई है। गंगा एक्सप्रेसवे को बढ़ाने के लिए घोषणा हुई है। युवाओं को डिजिटली सशक्त बनाने के लिए टैबलेट देने की व्यवस्था की गई है। एआई मिशन. डाटा सेंटर और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस समेत आईटी सेक्टर में कई घोषणाएं की गई हैं। शिक्षा के क्षेत्र में स्मार्ट विद्यालय, अटल आवासीय विद्यालय चल रहे हैं। साथ ही सीएम आवासीय विद्यालयों के लिए बजट में हमने व्यवस्था की है। परिषदीय और माध्यमिक विद्यालयों समेत उच्चतर विद्यालयों के शिक्षकों के लिए कैशलेस इलाज की व्यवस्था की है। सीएम ने कहा कि अन्नदाता किसान देश की अर्थव्यवस्था ओर उसके विकास की धुरी हैं। अन्नदाता केवल लाभार्थी नहीं विकास का आधार हैं। अन्नदाता से उन्हें उद्यमी बनाने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। बजट में इसका प्रावधान है। हम ट्यूबवेलों को फ्री बिजली दे रहे हैं। किसान को कुसुम योजना का भी लाभ दिलाएंगे। गन्ना के साथ दलहनी और तिलहनी यानी सहफसली खेती की ओर आगे बढ़ेंगे। इससे और लाभ होगा। इसके लिए हमने बजट में प्रावधान किया है। नोएडा एयरपोर्ट को विकसित करने की योजना बनाई है। एआई के प्रयोग की घोषणा की गई है। अन्न भंडारण क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा है। बड़े–बड़े गोदाम बनें, इसके लिए सब्सिडी देंगे। पशुओं के स्वास्थ्य के लिए बीमा होगा। बीमा राशि का 50 फीसदी तक प्रीमियम सरकार देगी। सीएम ने कहा कि बजट में हर वर्ग का ध्यान रखा गया। 9 साल में यूपी के लोगों की राय बदली है। युवाओं की ग्रोथ उनके रोजगार को लेकर हो, इसका ध्यान रखा जा रहा है। एमएसएमई, कौशल विकाश के साथ रोजगार जनरेटर के रूप में यूपी का बढ़ना तय है। हम जन विश्वास सिद्धांत के रूप में आगे बढ़ रहे हैं। निवेशकों को सिंगल विंडो सुविधा दी जा रही है। हमने इज आफ डूइंग में अच्छा किया है। इसके लिए रूल ऑफ लॉ रियल ग्रोथ की गारंटी है। आज यूपी सुरक्षा की गारंटी दे रहा है।

बजट पर सीएम योगी ने कहा कि यह बजट यूपी के 9 वर्ष के नवनिर्माण की गाथा को दर्शाता है। पहली बार किसी सरकार ने लगातार 10 बजट पेश किए। इन 9 वर्षों में प्रदेश में कोई कर नहीं लगाया गया। बिना अतिरक्त टैक्स लगाए विकास के नित नए सोपान गढ़े गए। यूपी ने अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत किया। आज हम देश की तीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में एक हैं। यह बजट किसान, युवा और महिला का बजट है। बीमारू राज्य से निकालकर देश के सामने रेवेन्यू प्लस राज्य के रूप में प्रस्तुत करने में सफलता प्राप्त की है। वित्तीय वर्ष 2026–2027 के लिए प्रस्तुत बजट का आकार 9,12,696.35 करोड़ रुपये (09 लाख 12 हजार 696 करोड़ 35 लाख रुपये) है, जो वित्तीय वर्ष 2025–2026 की तुलना में लगभग 12.9 प्रतिशत अधिक है। इस बजट में पूंजीगत परिव्यय 19.5 प्रतिशत है। शिक्षा तथा चिकित्सा हेतु आवंटन कुल बजट का क्रमशः 12.4 प्रतिशत एवं 6 प्रतिशत है।

रिजिजू का राहुल गांधी पर तंज, बोले-

संसद में बच्चों जैसा व्यवहार करना ठीक नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की आत्मकथा को लेकर चल रहे विवाद के बीच जमकर निशाना साधा और उनसे राष्ट्रीय सुरक्षा को ष्राजनीतिक हथियारष के रूप में इस्तेमाल न करने को कहा। राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए रिजिजू ने उनसे बच्चों जैसा व्यवहार न करने को कहा। संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं राहुल गांधी को सबक नहीं सिखा सकता। मुझे समझ नहीं आता कि वे किस दुनिया में रहते हैं। कौन सी विचारधारा उनके कार्यों को प्रेरित करती है? रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ सदस्यों को उन्हें समझाना चाहिए कि संसद इस तरह काम नहीं कर सकती। यहां बच्चों जैसा व्यवहार न करें। हमारा देश विशाल है और सुरक्षा एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। हमारी सुरक्षा को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करना और किसी की गरिमा को ठेस पहुंचाना सही नहीं है। हालांकि, कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि लोकसभा में गांधी की टिप्पणियां सच थीं।

लोकसभा में राहुल के आक्रामक तेवर, कहा-

हम किससे तेल खरीदेंगे, यह फैसला अमेरिका करता है

नई दिल्ली,एजेंसी। संसद में लंबे गतिरोध के बाद आज लोकसभा में राहुल गांधी ने बजट 2026 पर चर्चा में भाग लिया। इस दौरान कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता ने भाषण की शुरुआत में मार्शल आर्ट्स का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जिजित्सु में ग्रिप दिखती है, राजनीति में नहीं दिखती। चोक कहां हो रहा है, जोर कहां पड़ रहा है, राजनीति में नहीं दिखता। इसके बाद उन्होंने बजट, अमेरिका संग हालिया ट्रेड डील से लेकर वैश्विक मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने आम बजट और वित्त मंत्रालय की तरफ से पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण का जिक्र करते हुए कहा, मैं आर्थिक सर्वे को देख रहा था। दो बिंदु मुझे दिखे। पहला बिंदु– हम ऐसी दुनिया में रह रहे हैं जहां भू–राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता बढ़ती जा रही है। यानी जो अमेरिका आधारित सिस्टम था, उसे चुनौती मिल रही है। उसे अब रूस और चीन फिर से चुनौती दे रहे हैं। दूसरा– हम ऐसी दुनिया में रह रहे हैं, जहां ऊर्जा और वित्त को हथियार बना लिया गया है। राहुल गांधी ने कहा कि हम स्थिरता वाली दुनिया से अस्थिरता वाली दुनिया में जा रहे हैं। प्रधानमंत्री और एनएसए ने कुछ समय पहले चौंकाने वाले रूप से कहा था कि युद्ध का समय अब खत्म हो चुका था। लेकिन यूक्रेन में संघर्ष जारी है, ईरान में संघर्ष हो रहा है। यानी हम स्थिरता से अस्थिरता की तरफ जा रहे हैं। राहुल ने कई और वैश्विक मुद्दों का जिक्र करते हुए कहा कि देश की 140 करोड़ जनता के सामने आज चुनौतियां काफी अलग हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि हमने ऑपरेशन सिंदूर किया था। तो हम अस्थिरता की दुनिया में जा रहे हैं। डॉलर को चुनौती दी जा रही है। जैसा कि दूसरी तरफ मेरे दोस्त समझते हैं, मुख्य खेल यह है कि डॉलर को चुनौती दी जा रही है। अमेरिका के दबदबे को चुनौती दी जा रही है। हम एक सुपरपावर वाली दुनिया से किसी नई दुनिया में जा रहे हैं, जिसका हम सच में अंदाजा नहीं लगा सकते। दूसरी तरफ डॉलर को चुनौती मिल रही है। अमेरिकी सुप्रिमेसी को चुनौती मिल रही है। अब हम दो सुपर पावर या कई सुपर पावर वाले दौर में जा रहे हैं। आर्थिक सर्वे की बात सही है। इन सबके केंद्र में एआई का समय है। सभी कह रहे हैं कि हम एआई के समय में जा रहे हैं। एआई का एक परिणाम यह हो रहा है कि कांग्रेस ने जो आईटी इकोसिस्टम बनाया, वह चुनौती की स्थिति में रहेगा। इसे चुनौती मिलेगी। कई इंजीनियरों को एआई हटा देगा। अपने भाषण में राहुल गांधी ने कहा, तो मैं सदन को कहना चाहता हूं कि सेक्टरों की जो ताकत है , वह हमारे अपने लोग हैं। 1.4 अरब लोग शानदार हैं, ऊर्जावान हैं, बुद्धिमान हैं। वे किसी को भी चुनौती दे सकते हैं। लेकिन यह सिर्फ लोग नहीं हैं। हमारे

पास डाटा का भी बड़ा पूल है। सभी लोग एआई के बारे में बात करते हैं, लेकिन एआई के बारे में बात करना किसी इंजन के बारे में बात करना है, इसके पेट्रोल यानी डाटा के बारे में बात करना भी जरूरी है। यानी अगर आपके पास पेट्रोल– डाटा नहीं है, तो एआई भी बेकार है। इस वक्त दुनिया के पास डाटा के दो पूल हैं– भारत का डाटा पूल (1.4 अरब लोगों का) और चीन (वहां भी इतनी ही जनसंख्या है)। यानी हम डाटा के मामले में ताकतवर हैं। राहुल गांधी ने आगे कहा कि हमारी दूसरी ताकत हैं हमारे किसान, जो खाना देते हैं। हमारे पास खाना प्रचुर मात्रा में है। तीसरा– हमें देश को चलाने के लिए ऊर्जा की जरूरत है। इन तीनों को बचाना आधुनिक समय की सबसे बड़ी जरूरत है। बजट इन चीजों की पहचान तो करता है।

होटल संचालक से मारपीट मामले में एफआईआर दर्ज

प्रयागराज। स्टेशन रोड नैनी स्थित तिवारी भोजनालय में रविवार रात संचालक राजेश तिवारी से मारपीट के मामले में पुलिस ने दो नामजद व अन्य अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर सोमवार को वायरल हुआ था। चक रघुनाथ बोगवा गली निवासी राजेश तिवारी का नैनी स्टेशन के सामने तिवारी भोजनालय है। एफआईआर में उन्होंने बताया कि बीते रविवार रात आरोपी कुलदीप मिश्रा और अनिल भारतीया अपने साथियों के साथ उनकी दुकान पर पहुंचे और खाना लगाने की बात कही। उन्होंने खाना खत्म होने की बात कही तो आरोपी गाली देने लगे थे। विरोध करने पर आरोपियों ने दुकान में मौजूद चाकू उठाकर उसकी गर्दन में लगा दिया। पीड़ित ने दर्ज एफआईआर में दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज भी उपलब्ध कराया है।

नुकसान की भरपाई नहीं हुई तो आक्रोशितों ने मिर्जापुर राजमार्ग पर किया चक्काजाम

प्रयागराज। मिर्जापुर राजमार्ग स्थित नई बाजार टीएसएल रेलवे क्रॉसिंग के पास सोमवार भोर में अनियंत्रित गिट्टी लदा ट्रेलर दुकान में घुस गया था। घटना में दुकानदारों को नुकसान की भरपाई न होने के कारण मंगलवार शाम को उन्होंने मिर्जापुर राजमार्ग पर चक्काजाम कर दिया था। मामले को लेकर सोमवार दोपहर को भी मिर्जापुर राजमार्ग पर जाम लगाया था। करीब एक घंटे तक हाईवे पर चक्काजाम के कारण दोनों तरफ एक किलोमीटर तक जाम लग गया था। पुलिस के समझाने के बाद चक्काजाम समाप्त हुआ। नैनी थाना क्षेत्र के नई बाजार टीएसएल रेलवे क्रॉसिंग के समीप रहने वाले महेंद्र केसरवानी, मनोज केसरवानी और प्रेम केसरवानी के मकान के अगले हिस्से में दुकान है। महेंद्र व प्रेम किराने की दुकान चलाते हैं, जबकि मनोज की बर्तन की दुकान है। सोमवार भोर में मिर्जापुर की ओर से आ रही गिट्टी लदा ट्रेलर अनियंत्रित होकर दुकानों में जाकर घुस गया था। घटना के बाद चालक ट्रेलर मौके पर छोड़कर फरार हो गया था। ट्रेलर की टक्कर से मनोज व महेंद्र की दुकान क्षतिग्रस्त हो गई थी और घर का रास्ता बंद हो गया था। सोमवार दोपहर को जाम लगाकर विरोध किया था। तब पुलिस ने जल्द मामले में नुकसान की भरपाई किए जाने का आश्वासन देते हुए लोगों को हटा दिया था।

इधर, 36 घंटे के बाद भी जब कुछ नहीं हुआ, तो मंगलवार की शाम लोगों ने फिर चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शनकारी नुकसान का मुआवजा दिलाने की मांग कर रहे थे। पुलिस के आश्वासन पर लोगों ने चक्काजाम खत्म किया।

इस दौरान सड़क के दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई थी। यातायात सामान्य होने में दो घंटे लग गए। पीड़ित परिजनों का आरोप है कि नैनी पुलिस केवल ट्रेलर मालिक के आने का आश्वासन दे रही है, लेकिन दुर्घटना में उनकी दुकान तो क्षतिग्रस्त हो गई है। परिवार आस–पड़ोस में डेरा डाले हुए है।

मेजारोड रेलवे स्टेशन पर पानी की समस्या से यात्री परेशान

प्रयागराज। मेजारोड रेलवे स्टेशन पर पानी की समस्या से यात्री परेशान हैं। यात्रियों का कहना है कि कई बार की गई शिकायत के बाद भी समस्या दूर नहीं की गई। प्लेटफॉर्म नंबर चार पर पानी की टंकी से सप्लाई ही नहीं की जाती है। जिससे नल में पानी नहीं आ रहा है। यात्री परेशान हैं।

बता दें कि मेजारोड रेलवे स्टेशन पर हजारों की संख्या में यात्री रोज आते–जाते हैं। कई दिनों से प्लेटफॉर्म नंबर चार पर पानी की टंकी से नलों में पानी ही नहीं आ रहा है, जिससे यात्री परेशान हैं। मेजारोड रेलवे स्टेशन से प्रयागराज के लिए प्रतिदिन यात्रा करने वाले सुधांशु कुमार ने बताया कि नल में पानी न आने से यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

रेलवे स्टेशन पर पानी की समस्या नहीं है। टंकी की साफ–सफाई की जा रही थी। अब पानी की सप्लाई सुचारू रूप से की जा रही है। किसी प्रकार की परेशानी नहीं है। –सुनील कुमार, अधीक्षक, मेजारोड रेलवे स्टेशन

भाजपा सरकार की तुष्टीकरण नीति के खिलाफ एकजुटता जरूरी: अजय राय

प्रयागराज। कांग्रेस के गंगापार इकाई के अध्यक्ष अशफाक अहमद की अगुवाई में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया गया। स्वागत समारोह के बाद कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अजय राय ने कहा कि भाजपा सरकार की तुष्टिकरण नीति के विरुद्ध एकजुटता जरूरी है। भाजपा की जन

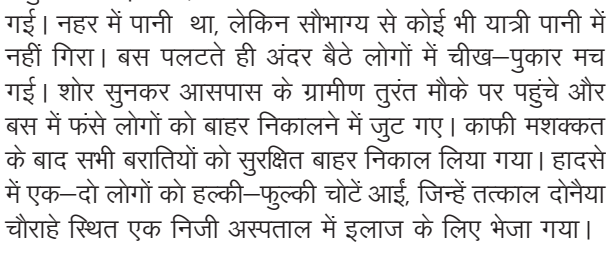

विरोधी रवैया को जनता तक पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है। कार्यकर्ताओं को गांव–गांव जाकर ग्रामीणों को बताना पड़ेगा की भाजपा सरकार संविधान बदलकर गरीबों के हक को छीनना चाहती है। इस मौके पर साधुचरण तिवारी, शरद उपाध्याय, देवराज उपाध्याय, राम मनोहर सरोज, शिवराम दुबे, अजय शुक्ला, महेंद्र प्रताप सिंह और दयाराम मिश्र आदि मौजूद रहे।

बरातियों से भरी तेज रफ्तार बस शारदा सहायक नहर में पलटी, दो घायल

प्रयागराज। बहरिया थाना क्षेत्र के सराय मदन नहर रोड पर बुधवार रात दो बजे बरातियों से भरी एक तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। बहरिया थाना क्षेत्र के सराय मदन नहर रोड पर बुधवार रात दो बजे बरातियों से भरी एक तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। राहत की बात यह रही कि बस में कोई हताहत नहीं हुआ। ग्रामीणों के अनुसार बस की रफ्तार काफी तेज थी। अचानक चालक का संतुलन बिगड़ गया, जिससे बस शारदा सहायक नहर में पलट गई। नहर में पानी था, लेकिन सौभाग्य से कोई भी यात्री पानी में नहीं गिरा। बस पलटते ही अंदर बैठे लोगों में चीख–पुकार मच गई। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और बस में फंसे लोगों को बाहर निकालने में जुट गए। काफी मशक्कत के बाद सभी बरातियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हादसे में एक–दो लोगों को हल्की–फुल्की चोटें आईं, जिन्हें तत्काल दोनैया चौराहे स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया।

प्रयागराज के 18 भूमाफिया पर गुंडा व गैंगस्टर एक्ट के तहत होगी कार्रवाई

प्रयागराज। सरकारी जमीन पर कब्जे के 12 आरोपियों को मंगलवार को भूमाफिया घोषित कर दिया गया। वहीं, छह अन्य आरोपियों को भूमाफिया श्रेणी में चिह्नित किया गया।

सरकारी जमीन पर कब्जे के 12 आरोपियों को मंगलवार को भूमाफिया घोषित कर दिया गया। वहीं, छह अन्य आरोपियों को भूमाफिया श्रेणी में चिह्नित किया गया। मंगलवार को एंटी भूमाफिया टास्क फोर्स की बैठक की अध्यक्षता कर रहे डीएम ने इन भूमाफिया के खिलाफ गुंडा एक्ट, गैंगस्टर एक्ट, एनएसए सहित अन्य धाराओं में कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जिन 12 आरोपियों को भूमाफिया घोषित किया गया है, उनके खिलाफ पहले से एफआईआर दर्ज है। राजस्व ग्राम रसूलपुर गरियाडीह उपरहार, राजस्व ग्राम रसूलपुर काशीपुर उपरहार, राजस्व ग्राम पोंगहट तालुक बमरौली परगरा व राजस्व ग्राम गयासुद्दीन उपरहार में सरकारी व निजी भूमियों पर कब्जा करने व अंश से अधिक विक्रय करने के मामले में तहसील स्तरीय एंटी टास्क फोर्स कमेटी ने 12 आरोपियों को भूमाफिया घोषित करने के लिए डीएम को संस्तुति भेजी थी।

इनमें आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) की जमीन पर कब्जे का मामला भी शामिल था। डीएम ने संबंधित उप जिलाधिकारियों व सहायक पुलिस आयुक्तों को सभी भूमाफिया के खिलाफ गुंडा व

गैंगस्टर एक्ट, एनएसए सहित अन्य धाराओं में कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

डीएम ने सभी विभागों के अफसरों को निर्देश दिए कि सरकारी जमीन पर अतिक्रमण या अवैध कब्जा किया गया है तो उसकी सूची उपलब्ध कराते हुए भूमाफिया के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करें। साथ ही सभी विभाग इस आशय का प्रमाणपत्र भी दें कि उनकी जमीन पर कोई कब्जा नहीं है। उन्होंने सभी एसडीएम को 15 दिनों में तहसील टॉस्क फोर्स की बैठक कर भूमाफिया को चिह्नित करने और अतिक्रमण की गई जमीन को खाली कराने के निर्देश दिए। डीएम कहा कि कोई भी भूमाफिया कार्रवाई से बचने न पाए। बार–बार जिसके विरुद्ध जमीन पर कब्जा किए जाने की शिकायत की गई हो, ऐसे लोगों को शासनादेश के क्रम में भूमाफिया के रूप में चिह्नित करते हुए कड़ी कार्रवाई की जाए।

इन्हें घोषित किया भूमाफिया

ग्राम रसूलपुर काशीपुर निवासी वकार अहमद, प्रीतम नगर निवासी अरविंद कुमार, अल्का विहार कॉलोनी बमरौली निवासी जसीम अहमद, चायल पिपरी कौशाम्बी निवासी प्रमोद कुमार, अल्का विहार कॉलोनी बमरौली निवासी जैद खालिद, पूरामफ्ती में कघर बड़ी मस्जिद के पास रहने वाले राहिल सिद्दीकी, चफरी अटरामपुर परगना नवाबगंज निवासी महमूद अख्तर, अल्का विहार बमरौली पोंगहट निवासी अबू जैद, मरियाडीह निवासी दिलशाद, धीरेंद्र प्रताप सिंह (निवासी अज्ञात), ग्राम पोस्ट सरभुजा भोजपुर, बिहार निवासी विकास सिंह व सोहबतियाबाग निवासी अमित कुमार शुक्ला।

यह भूमाफिया के रूप में चिह्नित

मो मुस्लिम, फहीम, जीशान उर्फ जानू, इमरान, जय प्रकाश दुबे, खालिद जफर।

इंसान की औलाद है इंसान बनेगा, बाल गृह के अभिलेख से हटेगा बच्चों का जाति–धर्म

प्रयागराज। बच्चों के मन से जाति–पाति और धार्मिक भेदभाव मिटाने के उद्देश्य से इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बाल सुधार गृह में बच्चों के नाम के आगे से जाति हटाने का आदेश जारी किया था। जिस पर यूपी सरकार ने इस पर सभी बाल गृहों को आदेश जारी कर बच्चों के आगे से जाति धर्म हटाने का फरमान जारी किया है।

तू हिंदू बनेगा न मुसलमान बनेगा, इंसान की औलाद है इंसान बनेगा। 1959 में फिल्म धूल का फूल के लिए मोहम्मद रफी का गाया यह गीत अब उत्तर प्रदेश के बाल सुधार गृहों में हकीकत बनने जा रहा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की कड़ी फटकार के बाद प्रदेश सरकार ने बाल गृहों के सरकारी अभिलेख से बच्चों की जाति और धर्म का जिक्र हटाने का आदेश जारी कर दिया है। केंद्र सरकार किशोर न्याय अधिनियम में आवश्यक संशोधन की सिफारिश की है, ताकि यह व्यवस्था पूरे देश में लागू की जा सके।

यह जानकारी राज्य सरकार के अधिवक्ता ने न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की एकल पीठ को प्रयागराज की एक नाबालिग पीड़िता की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई के दौरान दी है। मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया राजकीय बाल गृहों के रिकॉर्ड में अभी भी बच्चों की जाति और धर्म का उल्लेख किया जा रहा है। जबकि, इससे पहले कोर्ट ने इटावा के प्रवीण छेत्री के मामले में भी एफआईआर और आपराधिक दस्तावेज में आरोपियों की जाति का अनावश्यक उल्लेख नहीं करने के विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए थे।

कोर्ट ने अपने फैसले में डॉ. भीमराव आंबेडकर के दर्शन का जिक्र किया था। कहा था की डॉ.आंबेडकर के सपनों के भारत में जाति राष्ट्र–विरोधी है। क्योंकि, यह अलगाव पैदा करती है। हमें 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो इसकी शुरुआत बच्चों के मन से भेदभाव मिटाकर करनी होगी। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि बिना किसी ठोस कानूनी आधार के बच्चों की जाति दर्ज करना उनकी गरिमा और संविधान की मूल भावना के खिलाफ है। बच्चों को बचपन में ही किसी संकीर्ण पहचान में बांधने के बजाय उन्हें केवल एक इंसान और भारतीय नागरिक के रूप में देखा जाना चाहिए।

अब भाई की कस्टडी में है पीड़िता

सुनवाई के अंत में अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि पीड़िता (नाबालिग बहन) अब अपने भाई की सुरक्षित कस्टडी में है। इस पर संतोष जताते हुए कोर्ट ने याचिका को निस्तारित कर दी।

जमीन के नामांतरण मामले में एसडीएम और तहसीलदार का आदेश निरस्त

प्रयागराज। राजस्व परिषद ने जमीन के नामांतरण मामले में तहसीलदार और एसडीएम के आदेश को रद्द कर मामले को दोबारा सुनवाई के लिए तहसीलदार न्यायालय को भेज दिया है।

राजस्व परिषद ने जमीन के नामांतरण मामले में तहसीलदार और एसडीएम के आदेश को रद्द कर मामले को दोबारा सुनवाई के लिए तहसीलदार न्यायालय को भेज दिया है। साथ ही चार माह में नया निर्णय देने का निर्देश दिया है। यह आदेश राजस्व परिषद के सदस्य (न्यायिक) साहब सिंह ने जसवंत सिंह की ओर से दायर निगरानी याचिका पर दिया।

जसवंत सिंह उर्फ यशवंत सिंह का आरोप है कि चार जनवरी–2023 को नहुष कुमार से जमीन के 1/5 हिस्से का पंजीकृत बैनामा कराया था। इसके आधार पर उन्होंने तहसीलदार भोगनीपुर के यहां नामांतरण (राजस्व अभिलेखों में नाम दर्ज कराने) के लिए आवेदन किया।

तहसीलदार ने 30 सितंबर 2024 को यह कहते हुए आवेदन खारिज कर दिया कि कानपुर देहात के सिविल जज (सीनियर डिवीजन) ने नौ अप्रैल 2024 को विवादित भूमि पर हस्तांतरण और निर्माण पर रोक लगाते हुए यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है।

एसडीएम ने 30 दिसंबर 2025 सिविल कोर्ट के नौ अप्रैल 2024 के आदेश को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 10 फरवरी 2025 को हस्तांतरण रोकने की सीमा तक स्थगित कर दी है।

केवल इस आधार पर सिविल मामला लंबित है, अपना हिस्सा बेचने से पहले अन्य सदस्यों को प्रस्ताव देना चाहिए।

इस संबंध में सिविल न्यायालय में वाद लंबित है और यथास्थिति बनाए रखने का आदेश भी पारित है। परिषद ने कहा कि नामांतरण का अधिकार क्षेत्र तहसीलदार को प्राप्त है और केवल सिविल वाद लंबित होने के आधार पर नामांतरण की कार्यवाही स्वतः खारिज नहीं की जा सकती।

परिषद ने तहसीलदार और एसडीएम के आदेश को निरस्त कर दिया। मामले को पुनः सुनवाई के लिए तहसीलदार के पास भेज दिया। निर्देश दिया कि दोनों पक्षों को सुनकर चार महीने के भीतर नया निर्णय किया जाए।

साथ ही कहा कि पूरी कार्यवाही इलाहाबाद हाईकोर्ट में लंबित मामले के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगी।

अगर नाम कटा या जुड़ा है तो ऑनलाइन देख सकते हैं वोटर

प्रयागराज। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मतदाता बनने के लिए अगर आपने फॉर्म–छह जमा किया है और यह जानना चाहते हैं कि आवेदन पर क्या कार्रवाई हुई तो जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) के पोर्टल https://prayagraj-nic-in पर ऑनलाइन जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मतदाता बनने के लिए अगर आपने फॉर्म–छह जमा किया है और यह जानना चाहते हैं कि आवेदन पर क्या कार्रवाई हुई तो जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) के पोर्टल पर ऑनलाइन जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। अगर आपने नाम विलोपन के लिए फॉर्म–सात भरा है या संशोधन के लिए फॉर्म–आठ जमा किया है तो इस पर हुई कार्रवाई की जानकारी भी डीईओ पोर्टल से प्राप्त कर सकते हैं। पोर्टल पर संबंधित जानकारियां प्रतिदिन नियमित रूप से अपडेट की जा रही हैं। इलाहाबाद व फूलपुर संसदीय सीट के तहत 12 विधानसभा क्षेत्रों में ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी होने के बाद नए मतदाता बनने के लिए सात जनवरी से नौ फरवरी तक एक लाख 99 हजार 831 लोग फॉर्म–छह जमा कर चुके हैं। वहीं, एसआईआर के दौरान अनुपस्थित, शिफ्टेड, डुप्लीकेट व शिफ्टेड (एएसडी) श्रेणी में चिह्नित किए गए मतदाताओं के संबंध में और किसी व्यक्ति का नाम विलोपित किए जाने के संबंध में 2752 लोगों ने फॉर्म–सात जमा किए हैं जबकि नाम, पिता का नाम आदि में संशोधन के लिए 44588 लोगों ने फॉर्म–आठ जमा किए हैं। प्राप्त किए गए इन सभी प्रकार के फॉर्मों पर हुई कार्रवाई का विवरण डीईओ पोर्टल पर उपलब्ध है। फॉर्म–छह जमा करने वाले लोग पोर्टल पर फॉर्म–नौ, फॉर्म–सात जमा करने वाले मतदाता पोर्टल पर फॉर्म–10 और फॉर्म–आठ जमा करने वाले मतदाता पोर्टल पर उपलब्ध फॉर्म–11 देखकर अपने आवेदन पर हुई कार्रवाई के बारे में अद्यतन जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन स्वीकार हुआ या नहीं अथवा उस पर कार्यवाही की प्रक्रिया चल रही है, इस बारे में डीईओ पोर्टल पर जानकारी मिल जाएगी।

फिल्म के प्रमोशन के लिए पहुंचीं महाकुंभ वायरल गर्ल मोनालिसा, पिता हुए भावुक

प्रयागराज। महाकुंभ–2025 में सबसे अधिक सुर्खियां बटोरने वाली वायरल गर्ल मोनालिसा भोंसले मंगलवार को सिविल लाइंस स्थित होटल में अपनी पहली फिल्म के प्रमोशन के लिए पहुंची।

महाकुंभ–2025 में सबसे अधिक सुर्खियां बटोरने वाली वायरल गर्ल मोनालिसा भोंसले मंगलवार को सिविल लाइंस स्थित होटल में अपनी पहली फिल्म के प्रमोशन के लिए पहुंची। इस दौरान उनके साथ अभिनेता अभिषेक त्रिपाठी और डायरेक्टर सनोज मिश्रा भी मौजूद रहे। फिल्म में मणिपुरी युवती की मुख्य भूमिका निभा रही

मोनालिसा ने कहा कि उन्हें प्रयागराज आकर ऐसा लग रहा है जैसे एक बेटी मां से मिलने आई हो। प्रयागराज से ही मेरे फिल्मी दुनिया का सफर शुरू हुआ और आज जब मैं सोचती हूं तो लगता है कि सपना देख रही हूं। वहीं, मोनालिसा के पिता भावुक होकर बोले भगवान ऐसी बेटी सबको दे। फिल्म में राज का किरदार निभा रहे प्रयागराज निवासी सहकलाकार अभिषेक त्रिपाठी ने बताया कि मोनालिसा मेहनती लड़की है। छह महीनों में हिंदी सीखना इतना आसान नहीं था। उसके साथ काम करके बहुत अच्छा लगा। डायरेक्टर सनोज मिश्रा ने बताया कि फिल्म को बनाने में लगभग 10 करोड़ का खर्च आया है।

कोख से खिलवाड़– खुद अंडाणु डोनेट कर सरगना बनी महिला बेटे संग गिरफ्तार

प्रयागराज। आईवीएफ सेंटर में 15 वर्षीय किशोरी का अंडाणु निकालने के मामले में पुलिस ने दो और आरोपी रवि भारतीया और संगीता देवी को गिरफ्तार किया है। फाफामऊ कब्रिस्तान वाली गली निवासी दोनों ही आरोपी एजेंट कल्पना की मां व भाई हैं। आईवीएफ सेंटर में 15 वर्षीय किशोरी का अंडाणु निकालने के मामले में पुलिस ने दो और आरोपी रवि भारतीया और संगीता देवी को गिरफ्तार किया है। फाफामऊ कब्रिस्तान वाली गली निवासी दोनों ही आरोपी एजेंट कल्पना की मां व भाई हैं। जांच में पता चला कि आरोपी महिला ने पहले खुद अंडाणु को डोनेट किया और फिर 35,700 रुपये कमीशन के लालच में आकर अपना एक गिरोह बना लिया। उक्त आरोपियों के नाम सामने आने पर पुलिस इनकी तलाश कर रही थी। मंगलवार को एसीपी थरवई अरुण पाराशर के नेतृत्व में फाफामऊ थाना प्रभारी अश्वनी कुमार की टीम ने उक्त आरोपियों के क्षेत्र के पानी के टंकी के पास से दबोच लिया। पूछताछ में पता चला कि संगीता के तीन बच्चे हैं। करीब सात साल पहले उसने खुद ही अंडाणु डोनेट किया था। इसके बाद ही वह धंधे में शामिल हुई।

हर एक ग्राहकों के अंडाणु को डोनेट कराने के लिए लगभग 35,700 रुपये कमीशन दिया जाता था। इसके बाद वह अपनी बेटी कल्पना और बेटे रवि के साथ मिलकर गोरखधंधा चलाने लगी। पुलिस जांच में पता चला कि संगीता की रजिस्टर्ड एजेंट की आईडी नहीं बनने पर उसने अपनी बेटी के नाम से आईडी बनवा दिया। इसके बाद बेटे रवि को संग लेकर युवतियों को आईवीएफ सेंटर तक पहुंचाने का खेल शुरू कर दिया। मंगलवार को पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया है। पुलिस जांच में पता चला कि गिरोह प्रत्येक माह 20–25 युवतियों का ब्रेनवॉश कर उन्हें आईवीएफ सेंटर तक ले जाया जाता था। हर एक ऑपरेशन पर एजेंट कल्पना के खाते में करीब 35,700 रुपये जमा होते थे। इन रुपयों के आने के बाद इसे आपस में बांट लिया जाता था।

अब तक इनको भेजा जा चुका है जेल

गैंग का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस शाहगंज निवासी रिंकी हेला, करेली निवासी पलक हेला, थरवई निवासी कल्पना, सिविल लाइंस कूपर रोड निवासी सीमा भारतीया और उसके बेटे हिमांशू भारतीया को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। वहीं, आईवीएफ सेंटर के दो कर्मचारियों की भूमिका पर पुलिस जांच कर रही है।

फाफामऊ निवासी महिला ने पुलिस को बताया था कि उसकी 15 वर्षीय किशोरी का आईवीएफ सेंटर ले जाकर अंडाणु निकाला गया है। पुलिस जांच में पता चला कि करेली की पलक के कहने पर किशोरी 10 हजार रुपये लेकर आईवीएफ सेंटर में अंडाणु निकलवाया। आरोप लगाया कि बेटी का ब्रेनवॉश कर धर्मांतरण करने का प्रयास किया गया है। पुलिस ने छह फरवरी को आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली।

आरोपी मां–बेटे को गिरफ्तार किया गया है। पता चला है कि महिला ने कई साल पहले अंडाणु को डोनेट किया था। इसके बाद से ही युवतियों को इस काम में लाने लगी। आरोपियों को कोर्ट के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया है। – अरुण पाराशर, एसीपी, थरवई, गंगानगर

दुकान में चोरी करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार, दो मोबाइल व पर्स बरामद

मुजफ्फरनगर। थाना सिविल लाइन पुलिस ने दुकान का शटर तोड़कर चोरी करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दो मोबाइल फोन, आधार कार्ड व पर्स बरामद किया है। वादी मौ. शादाब निवासी आनंदपुरी ने तहरीर देकर

बताया था कि आफताब मार्केट घास मंडी स्थित उनकी दुकान से 1 फरवरी की रात अज्ञात चोर ड्राई फ्रूट्स, पर्स व दो मोबाइल चोरी कर ले गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर 10 फरवरी की रात पचेंडा पुल के पास से साहिब उर्फ बिरजू (25) निवासी कलीम कॉलोनी को गिरफ्तार किया। अभियुक्त के खिलाफ पूर्व में भी आर्म्स एक्ट सहित अन्य धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। कार्रवाई करने वाली टीम में उपनिरीक्षक रेशमपाल सिंह, उपनिरीक्षक खुशीलाल, कांस्टेबल अरविंद्र कुमार व कांस्टेबल राहुल कुमार शामिल रहे।

80 ग्राम पंचायतों में स्थापित होंगे डिजिटल पुस्तकालय, जेम पोर्टल पर बिड जारी

मुजफ्फरनगर। जिला पंचायत राज अधिकारी रेनू श्रीवास्तव ने बताया कि प्रमुख सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, पंचायती राज अनुभाग–3 के पत्र संख्या–1/907201/2025/33–3–2024 दिनांक 17 मार्च 2025 के माध्यम से ग्राम पंचायत स्तर पर डिजिटल पुस्तकालय (बाल एवं किशोर पुस्तकालय) स्थापित किए जाने संबंधी दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं। उक्त दिशा–निर्देशों के अनुपालन में जनपद मुजफ्फरनगर की 80 ग्राम पंचायतों में डिजिटल पुस्तकालय स्थापित किए जाने की कार्यवाही प्रारंभ की गई है। जिलाधिकारी द्वारा गठित पुस्तक चयन समिति की संस्तुति के आधार पर गठित पुस्तक क्रय समिति के अनुमोदन उपरांत जेम (ळमड) पोर्टल पर बिड संख्या ळमड/2026/ठ/7206933 दिनांक 10 फरवरी 2026 को अपलोड की गई है। इच्छुक फर्म/आपूर्तिकर्ता जेम पोर्टल पर अपलोड नियम एवं शर्तों के अनुसार प्रतिभाग कर सकते हैं। उक्त बिड 25 फरवरी 2026 को अपराह्न 2.00 बजे तक जेम पोर्टल पर खुली रहेगी।

भयहरण नाथ धाम में प्रशासनिक बैठक आज

नगर पंचायत चलायेगा विशेष स्वच्छता अभियान

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में 26 वें महाकाल महोत्सव व महाशिवरात्रि के संदर्भ में प्रशासनिक बैठक 12 फरवरी को दोपहर 1 बजे से होगी। बैठक में राजस्व विभाग, पुलिस विभाग, नगर पंचायत के प्रतिनिधि व प्रबन्ध समिति व मंदिर मेला समिति के सदस्य व पदाधिकारी प्रतिभाग करेंगे। वहीं नगर पंचायत द्वारा अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव के नेतृत्व में दोपहर 12 बजे धाम परिसर में विशेष सफाई अभियान चलाया जायेगा। यह जानकारी देते हुए महासचिव समाज शेखर ने बताया की भयहरण नाथ धाम में उक्त बैठक में तैयारियों को अंतिम रूप दिया जायेगा। बैठक में क्षेत्राधिकारी सदर करिश्मा गुप्ता, मजिस्ट्रेट बालेंदु शेखर, अध्यक्ष नगर पंचायत अशोक कुमार यादव मुन्ना, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत प्रदीप मिश्र सहित, थानाध्यक्ष जेठवारा सत्यार्थ व चौकी इंचार्ज राजीव वर्मा, धाम के अध्यक्ष आचार्य राज कुमार शुक्ल, कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह, महासचिव समाज शेखर, मुख्य मंदिर के पुजारी भोला नाथ सहित संबंधित पदाधिकारी गण प्रतिभाग करेंगे। कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र को बैठक की व्यवस्था के निर्देश दिया गया है।

किराना स्टोर में लगी आग, सारा सामान जलकर राख

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के यहियागंज इलाके में मंगलवार देर रात एक किराना दुकान में आग लग गई। आग लगते ही आसपास के दुकानदारों और स्थानीय लोग गली में निकल आए। देखते ही देखते आग ने पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया और अंदर रखे सामान धू–धूकर जलने लगे। इस दौरान दुकान से 10 फीट तक लपटें निकलीं। फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी ने करीब 30 मिनट पर आग पर काबू पाया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दुकान से धुआं और लपटें उठती देख लोगों ने तुरंत चौक फायर स्टेशन को सूचना दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग बुझाने के दौरान आसपास की दुकानों को एहतियातन खाली करा लिया गया था। राहत की बात यह रही कि घटना के समय दुकान के अंदर कोई मौजूद नहीं था, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। हालांकि, आग से दुकान में रखा लाखों रुपए के सामान जलकर नष्ट हो गए।आग मुजम्मिल की किराना दुकान में लगी। प्रारंभिक आशंका शॉर्ट सर्किट की जताई जा रही है।

बचपन की सहेलियां ट्रेन से कटीं, एक की 6 महीने पहले हुई थी शादी

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ के रहीमाबाद थाना क्षेत्र में हादसा हो गया। यहां मनकोटी गांव के पास ट्रेन पटरी पर बचपन 2 सहेलियां कट गईं। एक लड़की की 6 महीने पहले ही शादी हुई थी। वह आज (11 फरवरी) ही सुबह मायके आई थी। कुछ देर बाद दोनों की डेडबॉडी ट्रेन पटरी पर मिली। ट्रेन से लड़कियों के कटने की सूचना पर गांववाले घटनास्थल पहुंच गए। घटना बेलवा रेलवे फाटक के पास की है। यह मनकोटी से करीब 1 किमी दूर है। मृतक सहेलियां रहीमाबाद के मनकोटी गांव की थीं। गांववालों के अनुसार, वे दोनों हरपल साथ ही रहती थीं। आज दोनों की साथ ही मौत हो गई। रहीमाबाद थाना पुलिस के अनुसार, मृतक युवतियों की उम्र 20 और 23 साल है। 20 वर्षीय शशि पुत्री अशर्फी लाल और 23 वर्षीय नीतू पुत्री बुद्धा की मौत हुई। इन दोनों की ट्रेन से कटने की जांच की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि वे ट्रैक पार रही थीं लेकिन दूसरे एंगल पर भी जांच की जा रही है। नीतू के मायके आने के बाद दोनों घर से निकलीं और ट्रेन से टकराकर उनकी मौत हो गई। आशंका है कि दोनों ने सुसाइड किया होगा।

मनोविज्ञान में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु व्याख्यान

प्रयागराज। सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज के करियर काउंसलिंग और प्लेसमेंट सेल ने मनोविज्ञान विभाग के सहयोग से सफलतापूर्वक "मनोविज्ञान में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी" पर एक व्याख्यान का आयोजन किया।। इस कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य मनोविज्ञान के छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं और इस विषय में उच्च शैक्षणिक अवसरों के संबंध में व्यवस्थित मार्गदर्शन प्रदान करना था। कार्यक्रम का लक्ष्य छात्रों को करियर के विकल्पों, परीक्षा पद्धतियों और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की प्रभावी तैयारी रणनीतियों के बारे में जागरूक करना था।

इस कार्यक्रम में मनोविज्ञान विभाग के पूर्व छात्र-सुश्री तुलिका श्रीवास्तव एस.एस.पी.जी. कॉलेज, गाजीपुर के मनोविज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर को आमंत्रित किया गया है।सत्र का शुभारंभ औपचारिक स्वागत और मुख्य वक्ता के परिचय के साथ हुआ। कॉलेज के करियर काउंसलिंग और प्लेसमेंट सेल की संयोजक डॉ. रुचिका वर्मा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में कार्यक्रम की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला और छात्रों को मनोविज्ञान में करियर नियोजन की आवश्यकता के बारे में बताया। सुश्री तुलिका श्रीवास्तव ने मनोविज्ञान में उच्च शिक्षा, अनुसंधान और अकादमिक करियर बनाने के इच्छुक छात्रों के लिए ळ।ज्, छम्ज्, श्रत्थ् और अन्य प्रवेश परीक्षाओं जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की समग्र तैयारी प्रक्रिया पर केंद्रित एक ज्ञानवर्धक और सुव्यवस्थित व्याख्यान दिया।उन्होंने मनोविज्ञान से संबंधित प्रमुख प्रतियोगी परीक्षाओं की पाठ्यक्रम संरचना, परीक्षा पद्धति और मूल्यांकन मानदंडों पर चर्चा की। छम्ज् और ळ।ज् परीक्षाओं के लिए वैचारिक स्पष्टता, अनुशासित अध्ययन दिनचर्या और दीर्घकालिक तैयारी रणनीतियों के महत्व पर जोर दिया गया।

उन्होंने प्रभावी समय प्रबंधन तकनीकों, अध्ययन सामग्री के उचित चयन, व्यवस्थित रूप से नोट्स बनाने, नियमित पुनरावलोकन और मॉक टेस्ट तथा पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। वक्ता ने तैयारी के दौरान छात्रों द्वारा सामना की जाने वाली सामान्य चुनौतियों, जैसे तनाव और प्रेरणा की कमी, पर भी बात की और मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए व्यावहारिक तरीके सुझाए।

प्रशिक्षक ने छात्रों को विश्लेषणात्मक सोच विकसित करने, नियमित पठन की आदतें डालने और मनोविज्ञान में नवीनतम विकास से अवगत रहने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए निरंतर प्रयास, धैर्य और आत्मविश्वास आवश्यक हैं।

व्याख्यान के बाद, एक संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों ने परीक्षा की तैयारी, करियर की संभावनाओं और शैक्षणिक योजना से संबंधित प्रश्न पूछे। विशेषज्ञ ने सभी प्रश्नों का विस्तारपूर्वक उत्तर दिया और व्यावहारिक एवं यथार्थवादी मार्गदर्शन प्रदान किया। मनोविज्ञान विभाग के संयोजक, डॉ. महेश कुमार मौर्य ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम का संचालन मनोविज्ञान विभाग की शोधार्थी सैंड्रा बुएला ने किया।

यह कार्यक्रम कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे के प्रतिष्ठित मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का समग्र समन्वय और क्रियान्वयन डॉ. रुचिका वर्मा ने किया।

गंगानाथ झा परिसर के सभागार में सम्पन्न हुआ आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्स पर विशेष व्याख्यान

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज के गंगा सभागार में आज परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन

से आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्स (एआई) पर विशेष व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया। परिसरीय छात्र–छात्राओं को इस अवसर पर परिसर के संगणक विशेषज्ञ राजेशकान्त तिवारी द्वारा आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्स (एआई) के विषय में अति रुचिकर जानकारी प्राप्त करने का अवसर प्राप्त हुआ। अपने व्याख्यान में राजेशकान्त तिवारी ने आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्स (एआई) की मूल अवधारणा से परिचित कराते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को कंप्यूटर विज्ञान की ऐसी शाखा के विषय में व्याख्यित किया जो मशीनों को मानव जैसी बुद्धिमत्ता प्रदान करने पर केंद्रित है। यह मशीनों को सोचने, सीखने, समस्या का समाधान करने और निर्णय लेने की अद्भुत क्षमता प्रदान करता है। अपने उद्बोधन में उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अर्थ कृत्रिम बुद्धिमत्ता बताते हुए उसे ऐसी व्यवस्था के रूप में स्थापित किया जहाँ कंप्यूटर सिस्टम मानव मस्तिष्क की नकल करते हुए कार्य करते हैं। मानव मस्तिष्क की भाँति इसके कार्य करने की यह क्षमता इसे अद्वितीय बनाती है। श्री राजेशकान्त तिवारी ने उपस्थित छात्र–छात्राओं को अवगत कराया कि आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्स(।ᑊ) के जनक जॉन मैकार्थी माने जाते हैं, जिन्होंने 1950 के दशक में इसकी शुरुआत की थी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विषय में उन्होंने कूदते बन्दर (श्रनउचपदह डवदामल) की अवधारणा का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में 'जंपिंग मंकी' (श्रनउचपदह डवदामल) कॉन्सेप्ट को मुख्य रूप से गेम डेवलपमेंट और एआई स्टीयरिंग व्यवहार (जममतपदह इमीअपवत) से जुड़ा हुआ बताया तथा इसे एक ऐसी तकनीक बताया जिसमें ।ᑊ नियंत्रित चरित्र (जैसे बंदर या अवतार) बाधाओं को पार करने के लिए कूदने का निर्णय लेता है। कॉन्सेप्ट की व्याख्या करते हुए श्री राजेशकान्त तिवारी ने बताया कि जंपिंग मंकी कॉन्सेप्ट में ।ᑊ गणना करता है कि किसी गैप या ऊँचाई को कूदकर पार करना घूमने से बेहतर है। ।ᑊ प्रारंभिक बिंदु, अंतिम बिंदु, गुरुत्वाकर्षण और कूदने की शक्ति के आधार पर ट्रैजेक्टरी (गति पथ) की गणना करता है। सूत्र सरल प्रोजेक्टाइल मोशन पर आधारित हैरू अ=2हीअ = ?तज{2ही}अ=2ही जहाँ अ वेग, ह गुरुत्वाकर्षण औरी ऊँचाई है। इससे ।ᑊ सटीक समय और कोण पर कूदता है। अपने व्याख्यान में उन्होंने ए.आई. की कार्यप्रणाली पर चर्चा करते हुए उसे निर्णय लेना (।ᑊ बाधा का पता लगाता है और कूदने की लागत (समय/ऊर्जा) की तुलना करता है।), गणना करना (कूद बिंदु तक आवश्यक वेग पहुँचाना तथा कोण समायोजित करना) एवं निष्पादन करना (कूदने के बाद हवा में नियंत्रण जैसे वायु प्रतिरोध, डबल जंप आदि) बताया। उन्होंने ए.आई. के बढ़ते प्रभाव का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए इस क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों पर भी चर्चा की। इस विशेष सत्र में उपस्थित छात्र–छात्राएँ अपनी जिज्ञासाओं का समाधान पाकर अत्यधिक प्रसन्न हुए। व्याख्यान सत्र में एम. ए. संस्कृत (द्वितीय वर्ष) की अंजलि पाण्डेय, आरवी, आराधना, विकास साहू, रामगाधव पाल, सुधांशु, चन्द्रकान्त तिवारी, प्रियांशु ने मुख्यरूप से उपयोगी प्रश्न पूछे जिसका समाधान संगणक विशेषज्ञ राजेशकान्त तिवारी द्वारा किया गया।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने पंडित दीनदयाल को दी श्रद्धांजलि, योगी ने भी चित्र पर चढ़ाए फूल

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में भाजपा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा। इसमें सीएम योगी को पहुंचना था लेकिन वह कैबिनेट बैठक और उसके बाद बजट सत्र के चलते नहीं पहुंच पाए। इसके बाद कार्यक्रम को डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने संबोधित किया। उन्होंने कहा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सपनों को उत्तर प्रदेश सरकार साकार कर रही है। सीएम योगी की गैर मौजूदगी में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, मेयर सुषमा खर्कवाल, पूर्व मेयर संयुक्ता भाटिया और भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी सहित पदाधिकारी और कार्यकर्ता पहुंचे। कार्यक्रम चारबाग स्थित पंडित दीनदयाल स्मृतिका वाटिका में आयोजित किया गया। सीएम कार्यक्रम में नहीं पहुंचे लेकिन उन्होंने अपने सरकारी आवास पर ही पंडित दीनदयाल के चित्र पर फूल चढ़ाए। सीएम योगी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य, एकात्म मानववाद के प्रणेता श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि पर आज लखनऊ में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सशक्त राष्ट्र के निर्माण तथा समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास की ज्योति पहुंचाने का उनका संदेश हम सभी के लिए अप्रतिम प्रेरणा का स्रोत है।

मौसम का सत्संग

(छप्पय)

चंचल हुए समीर लताएँ हैं लहराती।
कलियां रंग बिखेर गुलों को हैं महकाती।
प्रथम प्रेम प्रसंग गीत बनकर है छाया।
प्रियतम रंग बसंत रचे जब अनुपम काया।
हर पल मधुर बिहान है अनुपम यह संदेश है।
वसंतिक हर रंग में जीवन का श्री गणेश है।।

रंग उमंग प्रसंग सभी के मन को भाया।
मौसम का सत्संग सुनाने फागुन आया।
भौरे पुष्प विहंग बिखेरे रंग सुहाने।
अमवारी में गीत लगी है कोयल गाने।
पतझड़ मधुर मिठास की पूरी एक किताब है।
जिसके हर एक पाठ में नवजीवन का ख्वाब है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

मायावती पर आपत्तिजनक पोस्ट, बीएसपी कार्यकर्ता ने दर्ज करवाया मुकदमा

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के कृष्णा नगर थाना क्षेत्र में बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने को लेकर एक कार्यकर्ता ने मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर श्रेया यादव नाम की फेसबुक आईडी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। मामले को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश है। कैंट विधानसभा अध्यक्ष गंगाराम ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि 9 फरवरी को दोपहर करीब 4 बजे दामोदर नगर, आलमबाग स्थित कैंट विधानसभा प्रभारी देवेश कुमार गौतम के आवास पर बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं की बैठक चल रही थी। इसी दौरान मोबाइल पर फेसबुक देखते समय एक पोस्ट पर उनकी नजर पड़ी, जो श्रेया यादव नाम की फेसबुक आईडी से की गई थी। तहरीर के अनुसार, उक्त पोस्ट में मायावती के लिए बेहद आपत्तिजनक, अभद्र और सामाजिक रूप से अस्वीकार्य शब्दों का प्रयोग किया गया था। पोस्ट को पढ़ते ही बैठक में मौजूद सभी कार्यकर्ताओं की भावनाएं आहत हो गईं और मौके पर नाराजगी का माहौल बन गया। पार्टी कार्यकर्ताओं का कहना है कि इस तरह की भाषा सभ्य समाज में कतई स्वीकार नहीं है और इससे सामाजिक सौहार्द को ठेस पहुंचती है। कार्यकर्ताओं ने तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए संबंधित फेसबुक आईडी के खिलाफ सख्त कदम उठाने की अपील की। शिकायत मिलने के बाद कृष्णा नगर थाना पुलिस ने संबंधित फेसबुक आईडी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस ने पोस्ट के स्क्रीनशॉट को साक्ष्य के रूप में कब्जे में लिया है। पुलिस के मुताबिक, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से संबंधित जानकारी जुटाई जा रही है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-नीलामी सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य), पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के आवंटन हेतु ई-नीलामी (E-Auction) किया जाता है।

आवंटन कैटलाग न: BSB02PARKING26

क्रम सं.-01, कार्य का विवरण: देवरिया स्टेशन स्थित (2 व्हीलर) स्टैण्ड का ठेका। अवधि: 03 वर्ष, ई-नीलामी की तिथि: 20-02-2026, ई-नीलामी का समय: 10:00 बजे से 10:30 बजे तक।

आवंटन कैटलाग न: BSB01PAYnUSE26

क्रम सं.-01, कार्य का विवरण: प्रयागराज रामबाग स्टेशन पर पे एंड यूज टॉयलेट का ठेका। अवधि: 03 वर्ष, ई-नीलामी की तिथि: 20-02-2026, ई-नीलामी का समय: 10:00 बजे से 10:30 बजे तक।

क्रम सं.-02, कार्य का विवरण: एकमा स्टेशन पर पे एंड यूज टॉयलेट का ठेका। अवधि: 03 वर्ष, ई-नीलामी की तिथि: 20-02-2026, ई-नीलामी का समय: 10:00 बजे से 10:40 बजे तक।

नोट: • ई-नीलामी (E-Auction) IREPS पोर्टल पर ऑनलाइन होगी। • ई-नीलामी (E-Auction) में भाग लेने के लिये इच्छुक व्यक्ति द्वारा IREPS पोर्टल पर रू. 10,000/- (Non Refundable) ऑनलाइन जमा कर एक बार पंजीकरण (One Time Registration) कराना आवश्यक है। साथ ही उसके पास SBI (स्टेट बैंक आफ इण्डिया) में करेंट खाता हो जिसे IREPS पोर्टल से लिंक करना आवश्यक होगा। • ई-नीलामी (E-Auction) से संबंधित नियम एवं शर्तों की सम्पूर्ण जानकारी IREPS पोर्टल (www.ireps.gov.in) के E-Auction leasing Section में उपलब्ध है।

सहायक वाणिज्य प्रबन्धक, वाराणसी
पूजाधि/वाणिज्य–254

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें

उत्तर मध्य रेलवे

No. EL/Const/NCR/70 दिनांक : 10.02.2026

"सार्वजनिक अधिसूचना"

उत्तर मध्य रेलवे के सैयदसरावां स्टेशन के पूर्ण हो चुके खंड पर स्थित रेलवे लाइन और परिसर के सभी उपयोगकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि रेलवे लाइन के नीचे दिये हुए खंड में 2x25 केवी सैयदसरावां एस0पी0 को 13.03.2026 को या उसके बाद चालू किया जाएगा। इस तिथि से या उसके बाद से सैयदसरावां एस0पी0 को हर समय ऊर्जित माना जाएगा और कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति सैयदसरावां एस0पी0 के पास नहीं जाएगा या उसके आसपास काम नहीं करेगा।

ऊर्जाकरण की तिथि: 13.03.2026

Section	KM/Location/ Chainage	
	From	To
उत्तर मध्य रेलवे के मौजूदा मार्ग पर कानपुर से पंडित दीन दयाल उपाध्याय खंड के बीच गति को 160 किमी. प्रति घंटा/200 किमी प्रति घंटा तक बढ़ाने के संबंध में नए 2x25 केवी सैयदसरावां एस0पी0 का ऊर्जीकरण।	सैयदसरावां 851/02	सैयदसरावां 851/10

No. EL/Const/NCR/70
Dated: 10.02.2026
Place- Prayagraj
318/26 (MG)

(गनेश कुमार सिंह) (एईई/पीयू)
उप मुख्य विद्युत अभियन्ता/मुख्यालय एवं उत्पादन इकाई,
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डर नं0- पी आर वाइ ओ-सिग-045-2025-26 दिनांक: 06.02.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से वरि0 मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता/ समन्वय, उत्तर मध्य रेल प्रयागराज द्वारा ई-टेन्डर द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली निविदा, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

क्र.सं.	निविदा नं.	कार्य का विवरण
1	045	प्रयागराज मंडल के भीरपुर, कैलहट, नारायणपुर बाजार, पसाही कला एवं सफनी धाम स्टेशन पर और पं0 दीनदयाल उपाध्याय - प्रयागराज के मध्य पाँच (05 नम्बर) आटो सिग्नल हट में लगे हुये क्योंकि वीन मेक इलेक्ट्रानिक इन्टरलॉकिंग प्रणाली का दो वर्ष के लिये व्यापक (कम्प्रीहेन्सिव) अनुरक्षण अनुबंध।
	अनुमानित मूल्य: 31569468.00	बिड सिक्यूरिटी: 307900/-
	निविदा प्रपत्र का मूल्य: 0.00	कार्य समापन की अवधि: चौबीस माह
	निविदा खुलने की तिथि: 10.03.2026	
2	निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता	निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
3	धरोहर की राशि जमा करना एवं उसका रूप: निविदाओं को अपेक्षित बिड सिक्यूरिटी निविदा प्रपत्र के साथ ऑनलाइन इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे द्वारा की जायेगी। यदि निविदा दाता बिड सिक्यूरिटी उपरोक्त के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में जीसीसी के अनुसार जमा करते हैं तो उनका निविदा स्वीकार किया जायेगा। यदि निविदादाता द्वारा जमा की गयी बिड सिक्यूरिटी बैंक गारंटी के रूप में है तो यह उचित स्टाम्प शुल्क के अनुसार होना चाहिये। बैंक गारंटी जमा करते समय यह 3040 स्टाम्प अधिनियम 2008 की धारा 13 एवं 24 और समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होना चाहिये। बिना बिड सिक्यूरिटी वाली निविदायें खारिज कर दी जायेगी।	
4	निविदा खुलने का समय, तथा स्थान	निविदा पूर्व निर्धारित तिथि 12:30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी।
5	निविदा की वैधता	निविदा खुलने के 60 दिन तक।
6	निविदा डीलिंग हेतु रेलवे के अधिकार	रेलवे प्रशासन का किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्वीकृत/संशोधित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है।

306/26 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय.....

किसानों की आशंकाएं

बीते शनिवार जारी किए गए भारत–अमेरिका व्यापार समझौते के प्रारूप को लेकर उठ रहे सवालों ने फिर उस मूलभूत सवाल को पुख्ता किया है कि मुक्त व्यापार समझौते की कीमत कौन चुकाएगा? साथ ही यह भी कि इसका लाभ किसे मिलेगा? इस समझौते से जुड़ी आशंकाओं को लेकर कुछ किसान संगठन आगामी 12 फरवरी को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन की तैयारी कर रहे हैं। निस्संदेह, उनकी आशंकाएं सिर्फ सोयाबीन तेल, सूखे अनाज और सेब पर आयात शुल्क में छूट को लेकर ही नहीं हैं, बल्कि विश्वास, पारदर्शिता और भारतीय कृषि के भविष्य को लेकर भी हैं। वहीं दूसरी ओर सरकार दावा कर रही है कि किसान हितों की रक्षा के लिये पर्याप्त सुरक्षा उपाय किए गए हैं। निस्संदेह, कागजों पर तो ये आश्वासन राहत देने वाले लगते हैं, लेकिन व्यवहार में किसानों की आशंकाओं से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। उल्लेखनीय है कि यूरोपीय संघ व न्यूजीलैंड के साथ हुए पिछले मुक्त व्यापार समझौतों के कारण सस्ते आयात में भारी वृद्धि हुई, फलतरू कमजोर किसानों की दशा खराब हुई। निर्विवाद रूप से भारी सब्सिडी प्राप्त अमेरिकी सेब से हिमाचल, जम्मू–कश्मीर और उत्तराखंड के सेब उत्पादकों के लिए मुकाबला करना चुनौतीपूर्ण होगा। हिमाचल के सेब उत्पादक संगठनों का कहना है कि अमेरिकी सेब पर आयात शुल्क पचास से 25 प्रतिशत करना व न्यूनतम आयात मूल्य 50 से बढ़ाकर 80 रुपये प्रति किलोग्राम करने से यह स्वदेशी प्रीमियम सेवा के दाम पर बाजार में बिकने लगेगा। जिसके चलते भारतीय उपभोक्ता समान मूल्य पर उच्च गुणवत्ता वाले अमेरिकी सेब को तरजीह देंगे। साथ ही सेब का कोल्ड स्टोरेज में संग्रह करना अलाभकारी हो जाएगा। वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार का दावा है कि कृषि और दुग्ध उद्योग संरक्षित रहेंगे। जबकि संयुक्त समझौते में कृषि और खाद्य उत्पादों की एक विस्तृत शृंखला पर शुल्क कम करने और गैर–शुल्क बाधाओं को दूर करने की बात कही गई है। कम आय, बढ़ती लागत और बढ़ते कर्ज से जूझ रहे किसानों को इन गंभीर मुद्दों पर स्पष्टता चाहिए। यही वजह है कि कई किसान संगठनों, विपक्षी दलों और कुछ राज्य सरकारों ने मांग की है कि इस समझौते का पूरा विवरण संसद के समक्ष रखा जाए। निस्संदेह, यह मांग तार्किक है क्योंकि व्यापार समझौते भी घरेलू कानूनों की तरह ही आजीविका को गहराई तक प्रभावित करते हैं। कृषि विशेषज्ञ मान रहे हैं कि मजबूत घरेलू समर्थन, उचित मूल्य, सब्सिडी, बुनियादी ढांचे और जोखिम संरक्षण दिए बिना, बाजारों को खोलने के कदम छोटे और सीमांत किसानों पर भारी पड़ सकते हैं। इसी फिक्र के चलते हड़ताल एक चेतावनी है। यदि सरकार का मानना है कि यह समझौता वास्तव में किसानों के हितों को प्राथमिकता देता है तो उसे पारदर्शिता, संसदीय बहस और सार्थक परामर्श के माध्यम से इसे साबित भी करना चाहिए। अन्यथा, सुधारों की कहानी एक बार फिर देश के अन्नदाता की चिंताओं को दूर करने में विफल रहेगी। इसी तरह देश के सेब उत्पादकों को भी आश्वस्त करना होगा कि उनके सेब की खुशबू बरकरार रहेगी।

नये दौर के प्रेम में शोर कम, समझ ज्यादा

आजकल की पीढ़ी का प्रेम शांत–सजग–व्यावहारिक और भरोसे से भरा है। वह दो दशक पहले जैसा नहीं रहा। प्रेम ने अपना रूप बदला लेकिन गहराई नहीं खोई। दरअसल नयी पीढ़ी को प्यार को सिर्फ फीलिंग के रूप में नहीं देखती। उनके लिए प्यार, साझेदारी व मिल–बांटकर उठायी जाने वाली जिम्मेदारियों का नाम है। कपल मिलकर कैरियर योजना बनाते हैं। खर्च और बचत पर बात करते हैं। मुश्किल में एक–दूसरे का सहारा बनते हैं। यह स्पष्टता रिश्तों को मजबूत बनाती है। सुबह के 7 बजे हैं। एक फ्लैट में दो लोग अपने–अपने लैपटॉप खोलकर दिन की शुरुआत कर रहे हैं और हां, आज 14 फरवरी है यानी प्रेम का दिन वेलेंटाइन डे। लेकिन आसपास न कहीं गुलाब है, न कोई मोमबत्ती और न आपस में कोई फिल्मी डायलॉग। हां, टेबल पर रखी दो कप चाय और एक–दूसरे की तरफ बढ़ा हुआ हल्का सा मुस्कुराता चेहरा। यह फिल्म की भाषा में कहें तो परफेक्ट सीन है। जी हां, यही 2026 का प्यार रू शांत– सजग–व्यावहारिक और भरोसे से भरा हुआ। इन दिनों प्यार दो दशक पहले जैसा नहीं रहा। बेशक प्रेम ने अपना रूप बदला है। लेकिन गहराई नहीं खोई। प्रेम अब दिखावे से निकलकर समझदारी, व्यावहारिकता और लाइफस्टाइल के साथ संग आ गया है और हां, मानसिक सुरक्षा भी पहले से कहीं ज्यादा है। आज की पीढ़ी के पास प्यार को सिर्फ फीलिंग के रूप में देखने की न तो जरूरत है और न ही इतनी फुर्सत। उनके लिए प्यार, साझेदारी का नाम है। मिलकर उठायी जाने वाली जीवन की जिम्मेदारियों का नाम है। इसलिए अब कपल मिलकर कैरियर की योजना बनाते हैं। खर्च और बचत पर बात करते हैं। घरेलू और बाहरी जिम्मेदारियों को ईमानदारी से बांटना स्वीकार करते हैं और मुश्किल समय में एक–दूसरे का सहारा बनते हैं। आजकल , 'तुम मुझसे कितना प्यार करते हो' से ज्यादा यह अहम हो गया है, 'हम एक–दूसरे के लिए कितने भरोसेमंद हैं'। प्यार में इतनी स्पष्टता पहले कभी नहीं रही। कपल अब यह कहने से नहीं डरते कि वो चाहते क्या हैं और साफ–साफ यही बताते हैं कि वो क्या नहीं चाहते। मसलन– उन्हें शादी करनी है या नहीं। बच्चे चाहिए या नहीं। एक–दूसरे के लिए कितना स्पेस चाहिए और सबसे बड़ी बात यह है कि वो किस तरह का जीवन जीना चाहते हैं। यह स्पष्टता रिश्तों को ज्यादा मजबूत बनाती है। क्योंकि भ्रम पर टिके रिश्ते जल्दी थक जाते हैं और सच्चाई के सहारे आगे बढ़ने वाले रिश्ते दूर तक जाते हैं। आज युवा इस बात को भली भांति जानते हैं कि उनका मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि शारीरिक। पार्टनर्स एक दूसरे की थकान को समझते हैं। एंग्जाइटी और तनाव पर बेझिझक बात करते हैं और जरूरत पड़ी तो प्रोफेशनल्स की मदद लेने से भी नहीं कतराते। युवा एक–दूसरे से बड़ी सहजता से कहते हैं, आज मेरा मन ठीक नहीं। क्योंकि वो जानते हैं कि उनके इस वाक्य को गलत शब्द और संदर्भ में नहीं लिया जायेगा। पुरानी पीढ़ी के लोग भले टेक्नोलॉजी को कितना कोसते हों, लेकिन युवाओं के लिए टेक्नोलॉजी अलगाव का नहीं बल्कि जुड़ाव का जरिया है। भले पहले के लोग मानते हों कि मोबाइल और इंटरनेट रिश्तों का दुश्मन है। लेकिन 2026 में प्यार करने वाले युवा इससे कतई सहमत नहीं। इसलिए वे वीडियो पर साथ खाना खाते हैं, एक–दूसरे को वायज नोट्स भेजते हैं, उनकी प्लेलिस्ट साझा होती है और ऑनलाइन कैलेंडर में डेट–नाइट भी फिक्स करते हैं। अब प्रोफेशनल युवा मानते हैं कि रिश्ता मालिकाना हक नहीं, बराबरी का संबंध है, इसलिए बेझिझक और बिना किसी हैंगओवर के घरेलू काम दोनों मिलकर करते हैं। फैसले मिलकर लेते हैं। एक–दूसरे के कैरियर को सम्मान देते हैं। इनके बीच 70 के दशक की फिल्मों के यह डायलॉग शायद ही कहीं सुनने को मिलते हों, 'मैं तुम्हारे बिना कुछ नहीं हूं' बल्कि इसकी जगह यह डायलॉग आम है, 'मैं तुम्हारे साथ और बेहतर बनता–बनती हूं'। आज के प्यार की मजबूती सेल्फ लव है। क्योंकि 2026 में नई पीढ़ी को यह बात अच्छी तरह से समझ में आती है कि खुद से प्यार करना स्वार्थ नहीं, प्यार की समझ होना है। इसलिए युवा अपने शौक के लिए समय निकालते हैं, अपने रिश्तों की सीमाएं तय करते हैं और हर वक्त उपलब्ध रहने की मजबूरी से दूर रहते हैं। क्योंकि जब कोई खुद संतुलित होता है, तभी किसी रिश्ते में स्वस्थ योगदान दे पाता है। दरअसल, आज वेलेंटाइन डे केवल गिफ्ट्स एक्सचेंज का दिन नहीं रहा। यह समझदारी भरी बातचीत का दिन है, एक–दूसरे को ध्यान से सुनने का दिन है, भविष्य की योजनाएं साझा करने का दिन है और यह आभार जताने का भी दिन है। आज के युवा इस दिन साथ बैठकर एक–दूसरे के लिए प्यार और मनुहार के गीत नहीं गाते। अपने लक्ष्य तय करते हैं। फाइनेंशियल प्लानिंग बनाते हैं और इस दिन फोन को साइड पर रखकर एक–दूसरे से बातें करते हैं यानी यह दिन दिखावे का नहीं जुड़ाव का है। क्योंकि प्यार की नई भाषा और नई परिभाषा यही है। आज की पीढ़ी का प्यार अगर कुछ डायलॉग्स में देखना हो तो ये देखिये–''तुम आराम करो, मैं संभाल लूंगा। लूंगी'। ' 'तुम्हारी बात समझ में आ रही है?' ' 'तुम जैसे हो, वैसे ही ठीक हो।'

ये छोटे–छोटे वाक्य आज के वास्तविक प्रेम संदेश हैं। इसलिए 2026 का प्यार रिश्तों की नई सोच और नई समझ का प्यार है। क्योंकि अब प्रेम परिपक्व हो रहा है, कमजोर नहीं। खुली और ईमानदार बातचीत, आपसी सम्मान , भावनात्मक सुरक्षा , व्यक्तिगत स्पेस की समझ , साझा लक्ष्य , मेंटल हेल्थ को महत्व, बराबरी का व्यवहार व मुश्किल समय में साथ। आज का प्यार भले परफेक्ट न हो, लेकिन क्या ईमानदार बनने की, ईमानदार कोशिश है। क्योंकि आज का युवा जान चुका है, वास्तविक रिश्ते फिल्मी नहीं होते बल्कि रोज–रोज की छोटी–छोटी कोशिशों से बनते हैं। कभी चाय बनाकर देना, कभी बिना पूछे गले लगा लेना, कभी चुपचाप बैठ जाना और कभी सिर्फ आंखों में आंख डालकर एक नजर देख लेना। आज यही रोमांस है। वेलेंटाइन डे 2026 हमें याद दिलाता है कि प्यार खत्म नहीं हुआ, बस समझदार हो गया है। अब यह शोर नहीं मचाता बल्कि गहराई से जुड़ता है। अब यह दिखता कम है, लेकिन महसूस ज्यादा होता है। शायद यही आज के प्यार की सबसे खूबसूरत पहचान है।

समय सबकी परीक्षा लेता है: डॉ. उमर अली शाह

पिठापुरम। श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक प्रीतम के नवे पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि आम आदमी से लेकर दार्शनिकों तक, समय सबकी परीक्षा लेता है और कोई भी काल की कसौटी से बच नहीं सकता।

पीठ की 98वीं वार्षिक ज्ञान महासभा के समापन समारोह में डॉ. उमर अली शाह ने बुधवार को प्रधान आश्रम में सदस्यों को अनुग्रह भाषण दिया।इस दुनिया में कोई भी जीव समय से आगे नहीं जाने की चर्चा हुए

उन्होंने कहा कि सभी दार्शनिक और योगी समय के साथ चले हैं। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक और दार्शनिक ज्ञान विकसित करके, इंसान को समय की कसौटी पर खरा उतरने की ताकत मिलती है। अलीशा ने कहा कि ईर्ष्या, नफरत, क्रोध, बुरी भावनाओं और इंसानी जीवन शैली दूषित होने की वजह से इंसान पशु बन रहे हैं जो इंसानियत को खत्म कर रहे हैं, और सुझाव दिया कि आध्यात्मिक और दार्शनिक अमृत पाकर समाज में इंसानियत की खुशबू फैलानी चाहिए। उन्होंने हर सदस्य से पर्यावरण संरक्षण के तहत पीठ द्वारा शुरू किए गए "मेरा पौधा – मेरी सांस" प्रोग्राम में हिस्सा लेने और एक–एक पौधा लगाकर उनकी रक्षा करने की अपील की। घ्उन्होंने कहा कि लगाया गया हर पौधा एक ऑक्सीजन सिलेंडर के बराबर है।

बाद में, मुख्य मेहमानों की मौजूदगी में पीठाधिपति सभा में तत्वमार्ग आध्यात्मिक डायरी, उमर अलीशा रूरल डेवलपमेंट ब्रोशर, समकालीन तेलुगू, हिंदी ब्रोशर और नए सदस्यों के लिए इन्फॉर्मेशन ब्रोशर का लोकार्पण किया गया।

पिठापुरम के पूर्व विधायक एस. वी. एस. एन. वर्मा ने कहा कि जब कोई व्यक्ति गुरु की शरण में जाता है और भ्रम की शक्तियों को दूर करता है, तो वह अपने अंदर परमात्मा को देख पाता है। उन्होंने ज्ञान महासभाओं के ज़रिए ब्रह्म विद्या सिखाने और दुनिया की भलाई के लिए काम करने के लिए सूफी दार्शनिकों की तारीफ़ की। उन्होंने सुझाव दिया कि जिन शिष्यों ने पीठाधिपति के ज़रिए दार्शनिक ज्ञान हासिल किया है, उन्हें उस ज्ञान को ज़्यादा लोगों के साथ शेयर करना चाहिए। उन्होंने पीठाधिपति की सेवाओं की तारीफ़ की, जिन्होंने पीठ के सदस्यों के साथ मिलकर श्मेरा पौधा मेरी सांसश नामक से पौधे लगाकर और उनकी देखभाल करके पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अथक कार्य कर रहे हैं।

बाद में, सभा में उमर अलीशा रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट द्वारा शुरू शुरू की गई महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की योजना के तहत उन्हें आज सिलाई मशीनें, रेड क्रॉस ग्रीनफील्ड ब्लाइंड स्कूल और काकीनाडा उमा मनोविकास केंद्र के छात्रों को स्कॉलरशिप, और पक्षियों के खाने के लिए तैयार धान के गुच्छे बांटे गए।

इस समाहरों में अहमद अली शाह, पिंगली आनंद कुमार, जी. राम प्रसाद, शेख. अमीर बाशा, येरमसेट्टी उमामहेश्वर राव,और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि जो लोग गुरु की शरण में जाते हैं और गुरु के बताए रास्ते पर चलते हैं और ज्ञान का उपयोग करते हैं, वे खुद को जान पाते हैं। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक ज्ञान पाने से मन साफ घ्हो जाएगा। उन्होंने कहा कि ब्रह्म की शक्तियों डंसे छुटकारा पाने के लिए, व्यक्ति को पीठाधिपति द्वारा दी गई ध्यान, ज्ञान और मंत्र शक्तियों की त्रई साधना को अपनाना चाहिए। पीठाधीश द्वारा चलाए जा रहे तात्विक बाल विकास के ज़रिए आध्यात्मिक कक्षाओं में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके बच्चों के भाषणों ने दर्शकों को खास तौर पर प्रभावित किया।

इस मौके पर फिल्म डायरेक्टर वामसी कृष्णा, फिल्म म्यूजिक डायरेक्टर विजय और उनकी पत्नी, पेड्डापुरम के आरडीओ, के. रमानी, नवोदय फ्रेंड्स यूनियन के प्रेसिडेंट एग्गिना नागाबाबू, आरटीए मेंबर चिंता उमामहेश्वरी, जीवीएसके फार्मा हेड डॉ. किशोर कुमार और उनकी पत्नी, बुद्धिस्ट रिप्रेजेंटेटिव रत्नम, काकीनाडा के पूर्व डिप्टी मेयर अरिगेला श्रीनिवास उर्फ गुन्नी और अन्य लोगों ने पीठाधीपति से मुलाकात की। पीठ के सयोजक पेरुरी सुरीबाबू, पीठ के मीडिया संयोजक अकुला रवि तेजा, सेंट्रल कमिटी मेंबर, एवीवी. सत्यनारायण, एनटी वर्मा, स्वर्णलता, भास्कर और अन्य लोगों ने भाग लिया।

सुरों का नया आकाश तलाशने को ग्लैमर के संगीत से दूरी

अरिजीत सिंह का फिल्मी गायन से मोहभंग होने का फैसला संगीत जगत के लिए बहुत बड़ी घटना है। जिनकी आवाज ने 'तुम ही हो','चन्ना मेरेया' और 'रोंगटी' जैसे गीतों से लाखों दिलों को छू लिया, उसने अचानक फिल्मी गायन को अलविदा कह दिया। उनके इस पलायन का फिल्म उद्योग पर गहरा असर होगा। इस पार्श्व गायक ने एक दशक में दर्जनों हिट एल्बम दिए, राष्ट्रीय पुरस्कार जीते और प्लेबैक सिंगिंग को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। उनकी सादगी, भावपूर्ण गायकी और युवाओं से जुड़ाव ने उन्हें 'सुपर स्टार सिंगर' बना दिया। लेकिन, अब यह विदाई क्यों! निजी कारण, इंडस्ट्री की कमियां या नई राह की तलाश! अरिजीत के बिना फिल्मी संगीत में सूनापन आना तय है। इससे नए गीतकारों के लिए चुनौती बढ़ेगी और प्रशंसक हताश होंगे। फिल्मों के पार्श्व गायन के इतिहास में कुछ आवाजें कान तक पहुंचती हैं, लेकिन कुछ सीधे रूह में उतरती हैं। मोहम्मद रफी, किशोर कुमार और सोनू निगम के बाद अगर किसी एक नाम ने पूरे देश की धड़कन को नियंत्रित किया, तो वह हैं अरिजीत सिंह। हाल के दिनों में उनके फिल्मी गायकी से दूरी बनाने की चर्चाओं ने प्रशंसकों को उदास कर दिया। लेकिन, गहराई से देखें तो यह 'अंत' नहीं एक 'रूपांतरण' है। एक कलाकार जब अपनी कला के चरम पर होता है, तो वह अक्सर व्यावसायिकता की बेड़ियां तोड़कर संगीत की शुद्धता की ओर लौटना चाहता है। अरिजीत का फिल्मों से मोहभंग होना दरअसल उनके संगीत के प्रति उस गहरे प्रेम का हिस्सा है, जो वास्तविक 'कला' की तलाश में है। अरिजीत ने कई बार संकेत दिया कि फिल्म इंडस्ट्री का काम करने का तरीका थका देने वाला है। यह भी कि फिल्मों में संगीत 'कहानी' के अधीन होता है, जिससे कलाकार की रचनात्मक आजादी बाधित होती है। उन्होंने अपना खुद का लेबल 'ओरियन म्यूजिक' शुरू किया, जिसके जरिए वे गैर–फिल्मी, शुद्ध संगीत को बढ़ावा दे रहे हैं। इसके अलावा वे बंगाली संगीत से भी अपनी जड़ों की ओर लौट रहे हैं। बंगाली लोक संगीत व स्वतंत्र गीतों पर अधिक ध्यान दे रहे। अरिजीत सिंह के संन्यास या फिल्मों में कम सक्रिय होने की खबर ने संगीतकारों के सामने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया कि अरिजीत के बाद कौन! पिछले एक दशक में लगभग हर फिल्म में दूसरा हिट गाना उनकी आवाज में रहा। उनकी गैरमौजूदगी में फिल्म संगीत में जो खालीपन आएगा। अरिजीत सिंह का फिल्मों से मोहभंग होना, उनके 'संगीत' के खत्म होने का संकेत नहीं, बल्कि यह उनके 'संगीतज्ञ' के रूप में पुनर्जन्म जैसा है। वे एक ऐसे कलाकार हैं जो जब स्टेज पर उतरते हैं, तो लाखों की भीड़ को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। उनका संन्यास दरअसल व्यावसायिक शोर से 'मौन' की तरफ की एक यात्रा है। वे आगे भी संगीत से जुड़े रहेंगे और शायद अब वे हमें वह संगीत देंगे, जो फिल्मी कथानक की मांग से नहीं, बल्कि उनके दिल की गहराई से निकलेगा। अरिजीत सिंह अंतर्मुखी हैं, लेकिन उनका कैरियर विवादों से अछूता नहीं रहा। सलमान खान की फिल्म 'सुल्तान' के गाने 'जग घूमेया' का विवाद तो जगजाहिर है। एक अवॉर्ड फंक्शन के दौरान अरिजीत और सलमान के बीच हल्की नोकझोंक का परिणाम यह हुआ कि फिल्म 'सुल्तान' से अरिजीत का गाना हटा दिया। सलमान के साथ उनके रिश्ते लंबे समय तक ठंडे रहे। अरिजीत की सफलता का बड़ा राज उनकी गायकी की विविधता को माना जा सकता है। उनके पास एक ऐसी आवाज है, जो अकेलेपन का दर्द बयां करती है। 'जुदा होके भी' जैसे गानों में उनकी आवाज का कंपन रूह कंपा देता है। उनकी गायकी की जड़ें हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में भी गहरी हैं, जो 'लाल इश्क' जैसे कठिन गीतों में स्पष्ट दिखती है। जहां तक मॉडर्न टेक्सचर की बात है, तो वे जैज, रॉक और सूफी को भी उतनी ही सहजता से गाते हैं। वे अक्सर मीडिया और रियलिटी शो के बनावटीपन की आलोचना करते रहे। एक बार रिकॉर्डिंग स्टूडियो में फोटोग्राफर्स के साथ उनकी झड़प की भी चर्चा हुई। उन्होंने स्वीकार किया कि आजकल गानों में 'पिच करेक्शन' का इस्तेमाल होता है, जिसे लेकर संगीत उद्योग के पुराने दिग्गजों में बहस छिड़ गई थी। उनके लिए सफलता का मतलब दिखावा नहीं है। यही वजह है कि करोड़ों कमाने वाले इस सिंगर ने गांव की शांति चुनी। उनका फिल्म संगीत से संन्यास का फैसला युवाओं को प्रेरित करेगा कि शोहरत के बाद भी अपनी जड़ों को न भूलें। लेकिन, उनकी आवाज बिना रोमांटिक ट्रैक्स सूने पड़े रहेंगे। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के एक कस्बे जीगंज से निकलकर मुंबई की चकाचौंध में अपनी जगह बनाना उनके लिए आसान नहीं था। 2005 में 'फेम गुरुकुल' जैसे रियलिटी शो से बाहर होने के बाद, उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने संगीतकार प्रीतम के साथ बतौर असिस्टेंट काम किया और प्रोग्रामिंग सीखी। यह तकनीकी समझ ही आज उनके संगीत को दूसरों से अलग बनाती है। साल 2013 में आई फिल्म 'आशिकी 2' के गाने 'तुम ही हो' ने उन्हें रातों–रात ग्लोबल आइकन बनाया। इसके बाद चन्ना मेरेया, फिर ले आया दिल और 'हवाएं' जैसे गानों ने उन्हें वह मुकाम दिया जहां उनकी तुलना दिग्गज गायकों से होने लगी। अरिजीत सिंह की कहानी सिर्फ गानों की नहीं, बल्कि एक साधारण इंसान की है जो ग्लैमर की दुनिया में रहने के बावजूद जमीन से जुड़ा रहा। वे मुंबई के अपने अपार्टमेंट में सिर्फ काम के लिए जाते हैं, उनकी असल जिंदगी तो जीगंज में ही बीतती है। वे सड़कों पर घूमते हैं, बच्चों को लोकल स्कूल में पढ़ाते हैं। कभी अमीरी का दिखावा नहीं किया। सादगी उनके फैसले की जड़ में है। प्लेबैक सिंगिंग में फिल्मों की डिमांड, डेडलाइन और कंपोज आते हैं। अरिजीत हमेशा कहते रहे कि वो आजाद संगीतकार बनाना चाहते थे। 'फेम' से पहले की वो दुनिया उन्हें ज्यादा पसंद है, जहां प्रयोग और व्यक्तिगत एक्सप्रेशन मायने रखते थे। अरिजीत का फिल्म संगीत सफर काफी उतार–चढ़ाव भरा रहा। 2016 में 'सुल्तान' का विवाद चरम था। 'जग घूमेया' उनका गाया रोमांटिक ट्रैक था, जो सलमान खान और अनुष्का शर्मा पर फिल्माया गया। लेकिन, रिलीज में राहत फतेह अली खान का वर्जन रखा गया। अरिजीत ने सोशल मीडिया पर सलमान से सार्वजनिक माफी मांगीः 'प्लीज मेरा गाना न हटाएं, उसी के साथ रिटायर होने दें।' पोस्ट डिलीट कर दी, लेकिन हंगामा मच गया।

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

कितना कुछ करवा रही, मजबूरी की मार।
भटका यह इंसान है, मिले यत्न पर हार।।
मिले यत्न पर हार, निराशा दूर भगाओ।
नीरसता को छोड़ , चेतना सुप्त जगाओ।।
मिलती रचना जीत, विवशता घेरे जितना।
मानो मत तुम हार ,कठिन रास्ता हो कितना।।

होती जब मजबूरियाँ, भटके मानव राह।
संकट के बादल घिरें, हिय से निकले आह।।
हिय से निकले आह, नहीं जब मिलता है हल।
चिंता बढ़ती खूब, करेगें अब क्या हम कल।।
कहती रचना आज, कहाँ वह हिम्मत खोती।
हल होता आसान, नहीं मजबूरी होती

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

पत्नी ने गोविंदा संग साझा की पुरानी तस्वीर, धोखा देने के आरोपों के बीच क्या दूर हुई अनबन ?

मुंबई, एजेंसी। अभिनेता गोविंदा और पत्नी सुनीता का रिश्ता अनबन के दौर से गुजर रहा है। पिछले दिनों सुनीता आहूजा गोविंदा पर धोखा देने का आरोप लगाया। जिस पर गोविंदा ने भी प्रतिक्रिया दी। इन खबरों के बीच सुनीता ने गोविंदा संग पुरानी तस्वीर साझा की है। क्या यह इनकी अनबन सुलझने का इशारा है। सुनीता आहूजा ने हाल ही में एक इंस्टाग्राम पोस्ट की। जिसमें गोविंदा के साथ वह और उनकी सास नजर आ रही हैं। यह तस्वीर उस समय की है, जब गोविंदा बॉलीवुड के नंबर वन हीरो हुआ करते थे। पोस्ट में सुनीता ने एक कैप्शन भी लिखा है। जिसमें वह लिखती हैं, 'अच्छे पुराने दिन जल्द ही वापस आएंगे जय माता दी।' कहीं ना कहीं यह तस्वीर और मैसेज इशारा है कि सुनीता चाहती हैं कि गोविंदा और उनकी जिंदगी में पुराने और अच्छे दिन लौट आएं। पिछले दिनों सुनीता आहूजा ने एक पॉडकास्ट में अपने और गोविंदा के रिश्ते को लेकर खुलकर बात की है। इस बातचीत में उन्होंने गोविंदा पर धोखा देने का आरोप लगाया। पत्नी सुनीता के आरोपों पर गोविंदा ने खुलकर बात की है। एएनआई से हालिया बातचीत में गोविंदा ने कहा, 'मुझ पर यह आरोप कब नहीं लगा? लेकिन जो इल्जाम लगा रहा है वो मेरे बचपन का प्यार है। अब जो प्यार हो रहा है, किसी के सोचने के मुताबिक यह बुढ़ापे का है।' गोविंदा आगे कहते हैं, 'मैंने चार सुपरस्टार, मिस यूनिवर्स जैसी हीरोइन के साथ काम किया है। मैंने कभी उनकी तरफ नहीं देखा। एक मेरी हीरोइन ऐसा नहीं कह सकती कि मैंने उन्हें तंग किया। मैं सभी एक्ट्रेसेस को शुक्रिया कहता हूं।' मेरी जो फिल्में चली हैं, उसके लिए मैं अपने निर्देशकों, हीरोइनों का आभारी हूं।' गोविंदा की राह पर चलते हुए सुनीता आहूजा भी बॉलीवुड में कदम रख रही हैं। वहीं गोविंदा भी कुछ बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगे। खबर है कि वह सलमान खान की फिल्म श्बैटल ऑफ गलवांश में नजर आ सकते हैं। लेकिन इस बात को लेकर कोई जानकारी मेकर्स ने नहीं शेयर की है।

> “ पोस्ट में सुनीता ने एक कैप्शन भी लिखा है। जिसमें वह लिखती हैं, 'अच्छे पुराने दिन जल्द ही वापस आएंगे जय माता दी।' कहीं ना कहीं यह तस्वीर और मैसेज इशारा है कि सुनीता चाहती हैं कि गोविंदा और उनकी जिंदगी में पुराने और अच्छे दिन लौट आएं।

परिणीति चोपड़ा पति राघव चड्ढा पर हुई पूरी तरह फिदा, संसद में दिए भाषण पर लुटाया प्यार

परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा आज के सबसे पसंदीदा सेलेब्रिटी कपल्स में गिने जाते हैं। दोनों अक्सर एक–दूसरे को सपोर्ट करते नजर आते हैं और सोशल मीडिया पर भी खुलकर अपना प्यार और गर्व जाहिर करते हैं। उनकी बॉन्डिंग फैंस के लिए किसी रिलेशनशिप गोल से कम नहीं है। हाल ही में संसद में राघव चड्ढा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ, जिसमें वह बेहद आत्मविश्वास और मजबूती के साथ अपनी बात रखते नजर आए। उनके विचारों और अंदाज की लोगों ने खूब तारीफ की और यह वीडियो चर्चा का विषय बन गया। राघव के इस खास पल पर परिणीति चोपड़ा खुद को रोक नहीं पाईं। एक्ट्रेस ने उनके भाषण और वीडियो को अपनी सोशल मीडिया स्टोरी पर शेयर करते हुए गर्व और प्यार जताया। उन्होंने अपने पति की तारीफ करते हुए यह दिखा दिया कि वह हर कदम पर उनके साथ खड़ी हैं। परिणीति का यह प्यारा सा रिएक्शन देखकर फैंस भी काफी इमोशनल हो गए। कमेंट्स में लोग इस जोड़ी को परफेक्ट पावर कपल और रियल लाइफ गोल्स बता रहे हैं। प्यार, सपोर्ट और सम्मान से भरा ये रिश्ता वाकई सबका दिल जीत रहा है।

हफ्ते भर बाद राजपाल की मदद को आगे आए सलमान, अजय देवगन से लेकर वरुण धवन तक ने दिया समर्थन

नई दिल्ली, एजेंसी। चेक बाउंस मामले में जेल गए राजपाल यादव की मदद के लिए अब पूरा बॉलीवुड आगे आया है। एक दिन पहले सोनू सूद ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर राजपाल यादव की मदद की बात कही थी। उन्होंने बाकी इंडस्ट्री से भी ऐसे मुश्किल वक्त में राजपाल की मदद को आगे आने की अपील की थी। इसके बाद से ही सेलेब्स लगातार एक्टर की मदद को आगे आ रहे हैं। अब राजपाल यादव के मैनेजर ने जानकारी दी है कि सोनू सूद के अलावा सलमान खान और अजय देवगन सरीखे स्टार भी अभिनेता की मदद के लिए आगे आए हैं। स्क्रीन के साथ बातचीत में राजपाल यादव के मैनेजर गोल्डी ने बताया कि राजपाल यादव की मदद के लिए कई लोग आगे आए हैं। सोनू सूद, सलमान खान और अजय देवगन जैसे अभिनेताओं ने अपना समर्थन दिया है। अभी मेरी डेविड धवन से बात हुई थी, उन्होंने भी मदद की बात कही है। इसके अलावा रतन नैन, वरुण धवन समेत कई लोग इस बार उनकी मदद के लिए आगे आ रहे हैं। इसके लिए राजपाल ने दिल से सभी की सराहना की है। बातचीत के दौरान जब गोल्डी से पूछा गया कि

चाहूंगा। हालांकि उन्होंने कहा कि अच्छी बात यह है कि उनकी स्थिति बिगड़ने के बाद इंडस्ट्री ने चट्टान की तरह उनका साथ दिया है। इसकी सराहना की जानी चाहिए। सभी ने प्रतिबद्धताएं जताई हैं, लेकिन ऐसे सौदे रातोंरात नहीं होते।

इस दौरान एक्टर के मैनेजर गोल्डी ने राजपाल की जल्द रिहाई की उम्मीद भी जताई। उन्होंने कहा कि परिवार को मानसिक रूप से मजबूत रहना होगा। राजपाल भाई खुद बहुत मजबूत हैं और यह मजबूती परिवार में पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है। घर में कई समारोह होने वाले हैं, फरवरी के अंत में पारिवारिक कार्यक्रम भी निर्धारित हैं। हर कोई चाहता है कि राजपाल भाई तब तक रिहा हो जाएं। उम्मीद है कि वे कल तक रिहा हो जाएंगे। कल उनकी जमानत की सुनवाई होनी है और

अलावा अब तक राजपाल यादव के समर्थन में कई सेलेब्स उतरे हैं। इनमें सोनू सूद, गुरु रंधावा, गुरमीत चौधरी और केआरके जैसी इंडस्ट्री की हस्तियां शामिल हैं। हालांकि अधिकांश ने मदद की गई राशि का खुलासा नहीं किया। राव इंद्रजीत ने 1.11 करोड़ रुपये का योगदान देने की बात कही और यहां तक कि राजपाल यादव के बैंक विवरण साझा करते हुए दूसरों से भी मदद करने का आग्रह किया। उनकी अपील के बाद राजनेता तेज प्रताप यादव ने 11 लाख रुपये की सहायता की घोषणा की, जबकि केआरके ने 10 लाख रुपये का योगदान देने की बात कही। राजपाल यादव साल 2010 के चेक बाउंस मामले में जेल में हैं। उन्होंने अपनी फिल्म 'अता पता लापता' का निर्देशन करने के लिए एक कंपनी से करोड़ों रुपए लोन लिए थे। लेकिन कई मौकों के बावजूद वो जब लोन को नहीं चुका पाए, तब कोर्ट ने उन्हें तिहाड़ में सरेंडर करने का आदेश दिया। इसके बाद 5 फरवरी को राजपाल ने तिहाड़ में सरेंडर किया है। मामला 9 करोड़ रुपए की राशि से जुड़ा है।

'महिलाओं की सुरक्षा शो से अधिक महत्वपूर्ण', लड़कियों से छेड़खानी पर जैस्मीन सैंडलस ने बीच में ही रोका कॉन्सर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। 'धुरंधर' का लोकप्रिय गाना 'शरारत' गाकर सुर्खियां बटोरने वाली गायिका जैस्मीन सैंडलस इन दिनों अपने भारत टूर पर हैं। इसी क्रम में जैस्मीन ने हाल ही में राजधानी दिल्ली में भी अपना कॉन्सर्ट किया। लेकिन इसी दौरान कुछ ऐसा हुआ कि जैस्मीन ने बीच में ही अपनी परफॉर्मेंस रोक दी। इसके बाद उन्होंने वहां मौजूद ऑडियंस से कहा कि जब तक कॉन्सर्ट में सभी महिलाएं सुरक्षित महसूस नहीं करेंगी, वो दोबारा शो शुरू नहीं करेंगी। अब जैस्मीन के कॉन्सर्ट का ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। दरअसल, जैस्मीन ने बीते दिनों दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में अपना शो किया। शो के दौरान जब भीड़ में हंगामा मच गया, तो जैस्मीन ने महिलाओं की सुरक्षा पर कड़ा रुख अपनाया। भीड़ में दो पुरुषों को महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करते देख जैस्मीन ने उन्हें टोका और कार्यक्रम सुरक्षाकर्मियों को उन्हें तुरंत हटाने के लिए कहा। इसके बाद गायिका ने स्पष्ट किया कि महिलाओं के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण सुनिश्चित करना अप्रतिबंधित है और शो जारी रखने से भी अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सुरक्षाकर्मियों, कृपया इन दोनों पुरुषों को हटा दें क्योंकि ये इन महिलाओं को परेशान कर रहे हैं। अगर महिलाएं मेरे कॉन्सर्ट में सुरक्षित महसूस नहीं करती हैं तो मैं परफॉर्मेंस नहीं दूंगी। जैस्मीन ने तब तक अपना कॉन्सर्ट बीच में ही रोक दिया। इसके बाद अब जैस्मीन के कई वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हैं और नेटिजेंस सिंगर के इस कदम की सराहना कर रहे हैं। इसी कॉन्सर्ट के दौरान 'धुरंधर' के 'शरारत' गाने में नजर आईं अभिनेत्री आयशा खान ने अचानक स्टेज पर पहुंचकर सबको हैरान कर दिया। इसके बाद जैस्मीन और आयशा ने श्शरारतश गाने पर डांस किया, जो कॉन्सर्ट में मौजूद दर्शकों के लिए एक सरप्राइज बन गया। इस दौरान आयशा ने कहा कि मैं स्टेज पर आकर सारे स्टेप्स भूल गई। मुझे यहां आकर बहुत खुशी हो रही है।

पति पर धोखे के आरोप लगाकर चंद्रिका दीक्षित ने रचा ली दूसरी शादी? मिस्ट्री मैन संग लाल जोड़े में सजी दिखीं वड़ा पाव गर्ल

वड़ा पाव गर्ल के नाम से मशहूर चंद्रिका दीक्षित इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर खूब सुर्खियों में हैं। पिछले दिनों उन्होंने अपने पति युगम गेरा पर बेवफाई के आरोप लगाए थे और उसकी काली करतूत का भांडा फोड़ किया था। वहीं, पति पर धोखा देने के आरोप लगाने के बाद चंद्रिका खुद अब लगातार किसी गैर मर्द के साथ नजर आ रही हैं। वहीं, हाल ही में चंद्रिका ने उसी नए शख्स के साथ लाल जोड़े में तस्वीरें शेयर कर सबको हैरान कर दिया है। 10 फरवरी को लाल जोड़े में दुल्हन जैसी सजी चंद्रिका ने अपने इंस्टाग्राम पर मिस्ट्री मैन के साथ कुल 6 तस्वीरें पोस्ट कीं और इसके कैप्शन में सिर्फ "फाइनली" लिखा है। तस्वीरें देखकर यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि उन्होंने शायद दूसरी शादी कर ली है। हालांकि, तस्वीरों में चंद्रिका की मांग में सिंदूर या गले में मंगलसूत्र जैसी शादी के पारंपरिक संकेत साफ तौर पर नहीं दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में यह कहना जल्दबाजी होगी कि यह वास्तव में शादी की तस्वीरें हैं या किसी शूटध्इवेंट के लिए स्टाइल की गई तस्वीरें हैं। सोशल मीडिया पर इन तस्वीरों को लेकर प्रतिक्रिया तेज हो गई है। फैंस और यूजर्स ने अलग–अलग प्रतिक्रियाएं दी हैं। एक यूजर ने लिखा, "सब कुछ स्क्रिप्टेड है। बधाई हो, अब हमें शादी का व्लॉग देखना है। वहीं, किसी ने मजाकिया अंदाज में लिखा, "चश्मे वाले भैया को बिना तलाक दिए, शादी कैसे कर ली।" एक अन्य यूजर ने कहा, "फेमस होते ही सबसे पहले पति को छोड़ा, शाबाश।" और एक ने लिखा, "चलो फाइनली, नाटक खत्म हुआ, बस बच्चे के लिए बुरा लग रहा है। इस पूरी स्थिति में यह स्पष्ट नहीं है कि चंद्रिका ने वास्तव में दूसरी शादी कर ली है या यह सिर्फ एक प्रमोशनल पोस्ट है। मामले की पूरी सच्चाई तभी सामने आएगी जब चंद्रिका खुद इस विषय पर स्पष्टीकरण दें।

कहीं खाने में हाइजीन की कमी तो नहीं आपके बच्चे के अंडरवेट होने का कारण!

मां–बाप के लिए बच्चे उनकी दुनिया होते हैं। वो अपने बच्चों की देखभाल जितना हो सके उतने बेहतर तरीके से करते हैं। मां–बाप हर संभव प्रयास करते हैं कि उनका बच्चा बाकियों से अच्छा और खूबसूरत दिखे। आजकल के दौर में काफी बच्चे अंडरवेट हैं जो पैरेंट्स के लिए चिंता का बड़ा कारण है। बच्चे का ख्याल रखने और उनको हेल्दी डाइट देने के बाद भी वजन में कोई खास फर्क नहीं आता है। यहां ऐसे ही मां–बाप के लिए कुछ आसान तरीके बताए गए हैं, जिनको फॉलो करने के बाद

बच्चों की सेहत में अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे।

हाइजीन में कमी से पड़ता है वजन पर फर्क

अगर आपका बच्चा भी अंडरवेट की समस्या से जुझ रहा है तो इसके पीछे घर में हाइजीन का ठीक न होना हो सकता है। पैरेंट्स को इतना करना चाहिए कि बिना हैंड वॉश किए बच्चे को कोई भी खाने का सामान न दें, वरना आपका बच्चा धीरे–धीरे बीमार होने लगता है। हाइजीन में कमी से बच्चे को कई तरह के इंफेक्शन का खतरा होता है। अगर बच्चा 2 साल से ऊपर का है तो उसे भी हैंडवॉश जरुर कराएं।

हाइजीन की कमी से फूड पॉइजनिंग खतरा

कुछ पैरेंट्स छोटी–छोटी बातों को हल्के में लेते हैं, लेकिन यही आगे चलकर किसी बड़ी बीमारी का कारण बन जाती है। हाइजीन की कमी के चलते बच्चों में फूड पॉइजनिंग का खतरा होता है और सही समय पर इलाज न होने पर बच्चे के जान पर बन आती है।

नवजात बच्चों को चाहिए एक्सट्रा केयर

नवजात बच्चों के लिए एक्सपर्ट का मानना है कि इनको एक्स्ट्रा केयर की जरुरत होती है। छोटे बच्चों को ज्यादा से ज्यादा मां की स्किन कॉन्टेक्ट में रखना चाहिए। इससे बच्चे का तापमान ठीक रहता है। 6 महीने तक बच्चे को मां का ही दूध ा पिलाएं, लेकिन कम वजन के नवजात बच्चों को मां का दूध पीने में दिक्कत आती है, इसके लिए थोड़ा धीरज रखें और बच्चे को दूध पिलाना जारी रखें। एकबार बच्चा दूध पीना सीख जाएगा तो आसानी होगी। नवजात बच्चों के लिए मां का दूध सबसे फायदेमंद खुराक है।

विटामिन बी 12 की कमी से हो सकता है चिड़चिड़ापन, जानें और क्या हैं लक्षण

विटामिन बी12 हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी है। इससे डीएनए का निर्माण होता है और ऊर्जा मिलती है। इसके अलावा यह बॉडी के कई जरूर फंक्शन रेग्युलेट करता है। हमारी बॉडी यह विटामिन नहीं बना पाती। इसकी जरूरत हम खाने–पीने से ही पूरी करते हैं। शरीर में विटामिन बी12 की कमी के लक्षण अक्सर पता नहीं चल पाते। बढ़ती उम्र के साथ अक्सर यह विटामिन कम होने लगता है। इसलिए समय–समय पर इसका

टेस्ट जरूरी है। अब एक शोध में यह सामने आया है कि विटामिन बी 12 की कमी से चिड़चिड़ापन और डिप्रेशन भी हो सकता है। यहां जानें इसके और लक्षण।

युवाओं में दिख सकते हैं ये लक्षण

अमेरिका के इंस्टीट्यूट ऑफ बिहेवियरल न्यूरोसाइंसेस एंड साइकोलॉजी की टीम ने विटामिन बी–12 की कमी पर शोध किया। इसके निष्कर्ष क्यूरियस जर्नल में छपे हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, 18–25 वर्ष की आयु वर्ग में दिखने वाले अवसाद, चिड़चिड़पने के लक्षणों का कारण विटामिन बी–12 की कमी भी हो सकती है। यह विटामिन नर्वस सिस्टम पर भी असर डालता है।

जानें लक्षण और सोर्सेज

विटामिन बी12 एक पानी में घुलनशील विटामिन है, जो मुख्य रूप से मीट प्रोडक्ट से मिलता है। इस कारण शाकाहारी आहार वाले व्यक्तियों में इसकी कमी देखने को मिलती है। इसकी कमी से थकान, कमजोरी, कब्ज व संतुलन संबंधी समस्याएं, हाथ–पैर में झुनझुनी का अहसास, अवसाद और भूलने के लक्षण दिखने लगते हैं। मछली, मीट, अंडे और डेयरी उत्पादों सहित पशु उत्पादों में यह विटामिन बी–12 स्वाभाविक रूप से मौजूद होता है। विटामिन बी 12 के वेजेटेरियन सोर्सेज कम हैं। योगर्ट, लो फैट मिल्क, चीज वगैरह में यह विटामिन मिलता है।

अस्थमा से पीड़ित मरीजों में ऐसे दिखते हैं शुरुआती लक्षण, बिल्कुल भी न करें इग्नोर

अस्थमा सांस संबंधी ऐसी बीमारी है जिसमें व्यक्ति की सांस की नली सिकुड़ जाती है और बलगम भी ज्यादा बनने लगता है, जिसके कारण सांस लेने और छोड़ने में मुश्किल होने लगती है। इसके अलावा सांस लेने के दौरान घरघराहट जैसी आवाज भी आती है। बढ़ते प्रदूषण के कारण इस बीमारी का खतरा और भी ज्यादा बढ़ सकता है। कुछ लोगों में अस्थमा के लक्षण सामान्य होते हैं जबकि कुछ में इसके लक्षण खतरनाक भी हो सकते हैं। ऐसे में शुरुआत में ही लक्षणों पर गौर करके आप अस्थमा जैसी खतरनाक बीमारी से राहत पा सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

सांस फूलना

सीढ़ी चढ़ने के दौरान या फिर तेज दौड़ने से सांस फूलना आम होता है। इसके अलावा नींद आने पर या फिर शरीर में थकान होने पर उबासी भी आना एक आम बात है परंतु हैल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, अस्थमा के लक्षण सांस फूलना और उबासी भी हो सकते हैं। उबासी लेने या फिर गहरी सांस के कारण शरीर में ज्यादा मात्रा में ऑक्सीजन जाता है और ऑक्सीजन निकलता भी है। कई बार ऐसा सांस नली में असंतुलन होने के कारण भी सांस फूलना और उबासी जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

थकान महसूस होना

अस्थमा के शुरुआती लक्षणों में व्यक्ति को ज्यादा थकान भी हो सकती है। लगातार खांसी और गले में घरघराहट होने के कारण व्यक्ति को रात को अच्छी से नींद नहीं आ पाती जिसके कारण वह पूरी तरह से जगा रहता है इसी वजह से शरीर में थकान बनी रहती है जिसके कारण शरीर में एनर्जी भी कम ही महसूस होती है। ऐसे में अस्थमा को नियंत्रित करके थकान जैसी समस्या से राहत पा सकते हैं।

खांसी होना

यदि लंबे समय तक आपको खांसी रहती है खासकर सूखी खांसी तो यह भी अस्थमा का ही शुरुआती लक्षण हो सकता है। ऐसे में यदि आपको भी लगातार खांसी हो रही है तो इसे हल्के में ना लें। खांसते हुए यदि गले में आवाज आए तो यह भी खतरनाक हो सकती है। ऐसी परिस्थिति में डॉक्टर को जरुर संपर्क कर लें।

सांस लेने में तकलीफ

सांस लेने में तकलीफ भी अस्थमा के गंभीर लक्षणों में से एक है। यदि आपको सांस लेने में तकलीफ और सीने में जकड़न हो रही है तो एक बार डॉक्टर को जरुर दिखा लें।

. इसके अलावा छाती में दर्द, बैचेनी और घबराहट, तेज–तेज सांस लेना , बार–बार इंफेक्शन, नींद न आना, बात करने में दिक्कत होना भी अस्थमा के ही लक्षण है।

दवाईयों के बिना आगे बढ़ाएं पीरियड्स की डेट, आजमाएं ये घरेलू नुस्खे

अभी–अभी करवाया है मैनीक्योर तो इस तरह करें नाखूनों की देखभाल

त्वचा के साथ–साथ नाखूनों की देखभाल भी जरुरी होती है। नाखूनों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए लड़कियां मैनोक्यार करवाती हैं। इससे हाथों पर जमा गंदगी और डेड स्किन सेल्स भी साफ होते हैं और नाखून भी खूबसूरत दिखते हैं, क्योंकि मैनोक्योर में क्यूटिकल्स की सफाई की जाती है। लेकिन मैनीक्योर करवाने के बाद नाखूनों को खास देखभाल की जरुरत होती है। ऐसे में आपको आज कुछ ऐसे टिप्स बताते हैं जिनसे आप लंबे समय तक अपने नाखूनों की केयर कर सकते हैं...

मॉइश्चराइज करें हाथ

नाखूनों के आस–पास मौजूद क्यूटिकल बहुत ही जल्दी ड्राई होने लगते हैं। ऐसे में इन्हें ज्यादा मॉइश्चर की जरुरत होती है। नाखूनों के पास स्किन पर मॉइश्चर लगाकर आप क्यूटिकल्स प्रोटेक्ट कर

सकते हैं। हाथ दोने के बाद कोई हैंड क्रीम या मॉइश्चराइजर जरुर लगाएं। इससे हाथों की त्वचा की नमी बरकरार रहेगी।

न बनने दें नाखूनों पर दबाव

यदि आपने अभी नाखूनों पर मैनीक्योर करवाया है तो हाथों पर दबाव बिल्कुल न बनने दें। दबाव बनने के कारण यह खराब होने लगते हैं। इसलिए हाथों को सुखाने के लिए तौलिए से न रगड़ें। हाथो को किसी मोटे तौलिए के साथ थपथपाकर सुखाएं। इसके अलावा मैनीक्योर करवाने के बाद हाथों से खाना खाने के अलावा चम्मच के साथ खाना खाएं ताकि आपके हाथ सुरक्षित रहें।

पोषण से भरूपर डाइट लें

अगर आप चाहते हैं कि नाखून मजबूत रहें तो हैल्दी डाइट का सेवन करें। नाखूनों को हैल्दी रखने के लिए आप विटामिन–ई, विटामिन–बी, प्रोटीन, कैल्शियम, फाइबर जैसे पोषक तत्वों से भरपूर डाइट अपनी रुटीन में शामिल करें। हरी सब्जियां, दालें, फल, दूध, दहीं, अंडे जैसे चीजों का सेवन आप कर सकते हैं।

ग्लव्स जरुर पहनें

मैनीक्योर करवाने के बाद नाखूनों की सुंदरता बनाए रखने के लिए इनका खास ध्यान रखें। घर का काम करते समय ग्लव्स का इस्तेमाल जरुर करें। क्योंकि मैनोक्योर के बाद हाथों की स्किन बहुत ही कोमल हो जाती है जिसके कारण डिटर्जेंट और साबुन में पाए जाने वाले कैमिकल्स के कारण हाथों और नाखूनों को नुकसान पहुंच सकता है।

साफ करें नाखून

नाखूनों की सफाई जरुर करें। नाखूनों की सफाई करने के लिए आप नमक वाले पानी का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस पानी से नाखून साफ करने से नाखूनों में जमा गंदगी भी साफ होगी और यह सुंदर भी दिखेंगे। एक लीटर पानी लें और उसमें 4–5 चम्मच नमक डालें और उसे अच्छे से मिक्स कर लें। 15–20 मिनट तक हाथों को इसमें डालें। तय समय के बाद हाथों को साफ करके कोई हैंड क्रीम लगा लें।

किचन क्लॉथ हो गया है गंदा तो साफ करने के काम आएंगे ये किचन हैक

किचन साफ करने के लिए महिलाएं ज्यादातर कॉटन का कपड़े ही इस्तेमाल करती हैं। कुकिंग करते समय हाथ गंदे होने पर भी इसी कपड़े की मदद लेती हैं जिसके कारण यह काला और चिकना हो जाता है। गंदा किचन क्लॉथ कई बीमारियों का कारण भी बनता है। ऐसे में यदि आप किचन क्लॉथ को साफ करने के इन तरीकों का इस्तेमाल कर सकती हैं। आइए जानते हैं इनके बारे में ...

इस तरह का कपड़ा करें इस्तेमाल

किचन के काम को आसान बनाने के लिए आप सूती कपड़े का ही इस्तेमाल करें। सिंथेटिक कपड़े की जगह आप इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। यह गंदा कम होता है। इसके अलावा इस क्लॉथ को आप माइक्रोवेव में रखकर इसमें मौजूद बैक्टीरिया साफ कर सकते हैं।

गर्म पानी से करें साफ

गर्म पानी के साथ गंदे तौलिए को आप आसानी से साफ कर सकते हैं। एक बर्तन में गर्म पानी में डिटर्जेंट घोल लें। मिक्स करके इसमें तौलिए को कुछ देर के लिए भिगोएं। फिर रगड़कर इसे साफ पानी के साथ धो लें। इस नुस्खे का इस्तेमाल आप हर 2–3 दिन बाद कर सकते हैं।

स्टेन क्लीनर आएगा काम

किचन के कपड़े को साफ करने के लिए स्टेन क्लीनर की सहायता ले सकते हैं। टॉवल को कुछ देर के लिए क्लीनर में भिगोएं। फिर 15 मिनट के बाद इस कपड़े को साफ पानी से धोकर सुखा लें।

डिटर्जेंट के साथ करें क्लीन

किचन टॉवल साफ करने के लिए आप हार्ड डिटर्जेंट का इस्तेमाल कर सकते हैं। डिटर्जेंट में टॉवल को अच्छे तरह से भिगोकर धो लें। धोने के बाद टॉवल को खुली धूप में डालें। इससे टॉवल एकदम साफ और जर्म्स क्लीन हो जाएगा।

कास्टिक सोडा

किचन के कपड़े को सॉफ्ट और गंदी दुर्गंध से दूर रखने के लिए आप कास्टिक सोडा इस्तेमाल कर सकते हैं। आधा कप पानी में बेकिंग सोडा मिलाएं। फिर इस मिश्रण में किचन टॉवल को भिगोकर रख दें। कुछ समय बाद कपड़े को साफ पानी से धो लें। इससे कपड़ा आसानी से चमक जाएगा।

लिक्विड ब्लीच के साथ धोएं कपड़ा

लिक्विड ब्लीच के साथ भी आप कपड़े को धो सकते हैं। किचन टॉवल को लिक्विड ब्लीच में भिगोकर रख दें। कुछ समय के बाद साफ पानी से इसे धो लें। टॉवल एकदम साफ हो जाएगा।

संक्षिप्त

पीएम मोदी से मिले रवींद्र और रिवाबा जडेजा, मुलाकात के बाद बोले- यह गर्व का पल

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने मंगलवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ उनकी पत्नी और गुजरात सरकार में मंत्री रिवाबा जडेजा भी मौजूद रहीं। यह मुलाकात संसद भवन में हुई, जिसकी तस्वीरें और प्रतिक्रियाएं सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गईं। पीएम मोदी से मिलने के बाद रवींद्र जडेजा ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर भावुक संदेश साझा किया। उन्होंने लिखा, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से मिलना और बातचीत करना मेरे लिए बेहद सम्मान और सौभाग्य की बात है। उनकी स्पष्ट सोच, ऊर्जा और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता बेहद प्रेरणादायक है। ऐसे नेतृत्व से सीखना गर्व की बात है। गुजरात की मंत्री रिवाबा जडेजा ने भी इस मुलाकात को यादगार बताया। उन्होंने लिखा, यह सिर्फ एक मुलाकात नहीं, बल्कि गर्व का क्षण था। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से बातचीत करना, जो भारत, उसकी संस्कृति और उसके भविष्य के लिए मजबूती से खड़े हैं, बेहद प्रेरणादायक है। भारत आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है।

आईसीसी ने दी मंजूरी, चोटिल वानिंदु हसरंगा की जगह दुशान हेमंथा टीम में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर दुशान हेमंथा को मौजूदा टी20 विश्व कप के लिए चोटिल वानिंदु हसरंगा की जगह श्रीलंका की टीम में शामिल किया गया है। श्रीलंका के स्पिन गेंदबाज हसरंगा आयरलैंड के खिलाफ पहले

मैच के दौरान चोटिल हो गए थे जिसके कारण वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। पांच वनडे और तीन टी20 मैच खेल चुके 31 वर्षीय हेमंथा उनकी जगह लेंगे। टीम का अगला मैच गुरुवार को ओमान के खिलाफ होगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 की प्रतियोगिता तकनीकी समिति ने ने वानिंदु हसरंगा के स्थान पर दुशान हेमंथा को श्रीलंका की टीम में शामिल करने की मंजूरी दे दी है।'' आईसीसी ने न्यूजीलैंड के चोटिल माइकल ब्रैसवेल की जगह किसी अन्य खिलाड़ी को टीम में शामिल करने की अनुमति दे दी है। न्यूजीलैंड ने अभी तक इस खिलाड़ी का नाम उजागर नहीं किया है। टी20 विश्व कप की प्रतियोगिता तकनीकी समिति में आईसीसी के महाप्रबंधक वसीम खान, गौरव सक्सेना, हेमांग अमीन और शॉन पोलॉक शामिल हैं।

पाकिस्तान को नहीं है अपने तेज गेंदबाजों पर भरोसा, अमेरिका के खिलाफ 20 में 16 ओवर स्पिनर्स से कराए

कोलंबो,एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 में मंगलवार को कोलंबो में पाकिस्तान और अमेरिका के बीच मैच खेला गया। पाकिस्तान ने इस मैच में 32 रन से जीत दर्ज की। पाकिस्तान की इस जीत में उनके स्पिनरों की अहम भूमिका रही। पारी की 80 प्रतिशत गेंदें स्पिनरों ने ही फेंकी। जब अमेरिका की पारी शुरू हुई, तो उम्मीद थी कि पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा कुछ ओवर तेज गेंदबाजों से भी कराएंगे, लेकिन शाहीन अफरीदी को छोड़कर आगा किसी भी तेज गेंदबाज की तरफ नहीं गए। 20 ओवर में शाहीन ने चार ओवर फेंके। इसके अलावा बाकी के सभी 16 ओवर पाकिस्तान के कप्तान ने स्पिनरों से कराए और इसका परिणाम भी उन्हें जीत के रूप में मिला। पाकिस्तान के स्पिनरों सईम अयूब ने एक, अबरार अहमद ने चार, मोहम्मद नवाज ने तीन, शादाब खान ने चार और उस्मान तारिक ने चार सहित कुल 16 ओवर की गेंदबाजी की। टीम में फहीम अशरफ भी थे जो तेज गेंदबाजी करते हैं, लेकिन उन्हें गेंद नहीं दी गई। उस्मान तारिक ने तीन, शादाब खान ने दो, और अबरार और नवाज ने एक–एक विकेट लेकर पाकिस्तान को अमेरिका के खिलाफ जीत दिलायी। टी20 में यह दूसरा मौका था जब पाकिस्तान ने सबसे ज्यादा (16 ओवर) स्पिनरों से फेंकवाया। इसके पहले 2012 में कोलंबो में ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पाकिस्तान ने 20 में से 18 ओवर स्पिन गेंदबाजों से करवाए थे। इसके अलावा 2012 में कोलंबो में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 15 ओवर, 2013 में किंग्सटन में वेस्टइंडीज के खिलाफ 15 ओवर, 2021 में मेनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ 15 ओवर और 2023 में हांग्झू में अफगानिस्तान के खिलाफ 15 ओवर पाकिस्तान के स्पिनरों ने फेंके थे। पाकिस्तान–यूएसए मैच की बात करें तो टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने नौ विकेट पर 190 रन बनाए थे। यूएसए 20 ओवर में आठ विकेट पर 158 रन बना सकी और मैच 32 रन से हार गई।लगातार दूसरी जीत के साथ पाकिस्तान (0.932 नेट रन रेट) ग्रुप–ए की प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष पर पहुंच गया है। साहिबजादा फरहान को 41 गेंद में छह चौके और पांच छक्के की मदद से 73 रन की पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

एपस्टीन फाइल्स में फ्रांस के इस दिग्गज फुटबॉलर का नाम: दस्तावेज में कई चौंकाने वाले खुलासे, पर आरोप साबित नहीं

नई दिल्ली,एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा जारी एपस्टीन फाइल्स में फ्रांस और बायर्न म्यूनिख के पूर्व स्टार फ्रैंक रिबेरी का नाम सामने आया है। हालांकि यह सिर्फ गवाहों के आरोप हैं। न कोई केस दर्ज हुआ है, न जांच की घोषणा। कानूनी तौर पर रिबेरी की स्थिति फिलहाल जस की तस है। फ्रांस और बायर्न म्यूनिख के दिग्गज फुटबॉलर फ्रैंक रिबेरी एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह मैदान की उपलब्धियां नहीं, बल्कि अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा सार्वजनिक किए गए तथाकथित एपस्टीन फाइल्स हैं। रिबेरी 2006 में फीफा विश्वकप के फाइनल में पहुंचने वाली फ्रांस टीम का हिस्सा रहे थे, लेकिन इटली के खिलाफ उनकी टीम हार गई थी। वहीं, वह एक बार फीफा क्लब वर्ल्ड कप और एक बार बायर्न म्यूनिख के साथ चैंपियंस लीग का खिताब जीत चुके हैं। स्पेनिश अखबार मार्का की रिपोर्ट के मुताबिक, रिटायर्ड स्टार का नाम उन दस्तावेजों में दिखाई देता है जो दिवंगत और दोषी करार दिए जा चुके कुख्यात यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी जांच का हिस्सा थे। सबसे पहले सबसे अहम बात। इन फाइल्स में नाम आने का मतलब यह नहीं है कि रिबेरी पर कोई अपराध साबित हुआ है, उनके खिलाफ मामला दर्ज है या वह किसी जांच के दायरे में हैं। कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि यह सामग्री बड़े पैमाने पर इकट्ठी की गई गवाहियों, नोट्स और बयानों का संग्रह है, जिनमें से कई कभी अदालत तक पहुंचे ही नहीं। 2026 की शुरुआत में अमेरिका में एपस्टीन फाइल्स ट्रांसप के तहत हजारों दस्तावेज सार्वजनिक किए गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें हजारों वीडियो, लाखों तस्वीरें और जांच से जुड़े रिकॉर्ड शामिल हैं। इसी बड़े डेटा के बीच कुछ पन्नों पर रिबेरी का नाम सामने आता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, जिन हिस्सों में रिबेरी का जिक्र है, वे एक गवाह के दावे हैं। उदाहरण के तौर पर एक जगह लिखा है, फ्रैंक रिबेरी ने मुझे मारने की कोशिश की पुलिसकर्मियों ने उन्हें घेर लिया और उनकी कार तक वापस ले गए। एक अन्य हिस्से में दावा किया गया, मैं यह देखकर हैरान था कि देह व्यापार का नेटवर्क यहां पहुंच गया। मुझे लगा जैसे वे मुझे वापस ले जाना चाहते हैं। आगे के पन्नों में भी कुछ और गंभीर आरोपों का जिक्र है, लेकिन फिर से साफ कर दें कि ये आरोप हैं, अदालत का फैसला नहीं। अमेरिकी न्याय विभाग ने कहीं भी इन दस्तावेजों को औपचारिक आरोप या सबूत नहीं बताया है। रिबेरी के खिलाफ किसी कार्रवाई की घोषणा भी नहीं हुई है। यानी कानूनी स्थिति फिलहाल वही है, न केस, न चार्ज। रिबेरी का नाम पहले भी 2010 में एक मामले में सामने आया था, जब उन पर और करीम बेंजेमा पर नाबालिग से जुड़े आरोप लगे थे। 2014 में अदालत ने दोनों को यह कहते हुए राहत दी थी कि इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि उन्हें उम्र की जानकारी थी। अब नए दस्तावेज सामने आने से सोशल मीडिया पर बहस जरूर तेज हो गई है, लेकिन कानून की नजर में स्थिति अभी नहीं बदली है। यह कहना फिलहाल मुश्किल है कि इन खुलासों के बाद कोई नई जांच शुरू होगी या नहीं। अक्सर ऐसे दस्तावेज चर्चा तो पैदा करते हैं, लेकिन हर बार कानूनी कार्रवाई तक बात पहुंचे, यह जरूरी नहीं।

माइक टायसन को हराने वाला फाइटर फूट-फूटकर रोया: गर्लफ्रेंड के ओलंपिक चैंपियन बनने पर हुआ भावुक

मिलानो,एजेंसी। मिलानो कोर्टिना विंटर ओलंपिक 2026 में डच स्पीड स्केटर जुट्टा लीरडैम ने महिलाओं की 1000 मीटर रेस में 1:12.31 का समय निकालते हुए नया ओलंपिक रिकॉर्ड बना दिया। जैसे ही वह फिनिश लाइन पार कर गोल्ड की हकदार बनीं, स्टैंड में बैठे उनके मंगेतर जेक पॉल की आंखों से आंसू रुक नहीं पाए। 29 वर्षीय बॉक्सर और सोशल मीडिया स्टार अपनी मां पाम और लीरडैम की मां मोनिक के साथ मुकाबला देख रहे थे। सिल्वर (बीजिंग 2022) से गोल्ड तक का सफर पूरा होते ही जेक फूट–फूटकर रोने लगे। यह पल दोनों लंबे समय से देख रहे थे। लीरडैम के लिए यह सीजन आसान नहीं था। क्वालिफिकेशन के दौरान गिरने के बाद उन्हें चयन के लिए विशेष अनुमति की जरूरत पड़ी थी, लेकिन मिलान पहुंचकर उन्होंने मौका भुना और इतिहास रच दिया। उनकी टीममेट फेम्के कोक ने 1:12.59 के साथ सिल्वर, जबकि जापान की ताकागी मिहो ने ब्रॉन्ज जीता। जेक पॉल ने रोते हुए अपना वीडियो शेयर किया और लिखा, मुझे तुम पर बहुत गर्व है जुट्टी लीरडैम। एक और वीडियो में उन्होंने लीरडैम को उठाया और लिखा, हमने खेल इतिहास के सबसे खास पलों में से एक देखा। शब्दों में बयां नहीं कर सकता कि मुझे तुम पर कितना गर्व है। जेक पॉल वही फाइटर हैं जिन्होंने नवंबर 2024 में महान मुक्केबाज माइक टायसन को प्रोफेशनल फाइटिंग में हराकर दुनिया भर में सुर्खियां बटोरी थीं, लेकिन इस बार जीत रिंग में नहीं, दिल में महसूस हो रही थी। दुनिया के महानतम मुक्केबाजों में शामिल माइक टायसन लगभग दो दशक के बाद नवंबर 2024 में पेशेवर मुकाबले के लिए उतरे। 58 साल के टायसन का सामना पूर्व सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर और पेशेवर बॉक्सर जेक पॉल से था। इस मैच को पॉल ने सर्व–सम्मत से जीत लिया, लेकिन टायसन आठ राउंड तक डटे रहे और फैंस का दिल जीता। सबसे बड़ी बात यह रही कि पॉल नॉकआउट मास्टर माने जाते हैं, लेकिन वह टायसन को हिला तक नहीं सके और टायसन आठवें राउंड तक बने रहे। पॉल ने चार अंक से मैच अपने नाम किया। आठ राउंड के बाद पॉल को 78 पॉइंट और टायसन को 74 पॉइंट मिले थे।

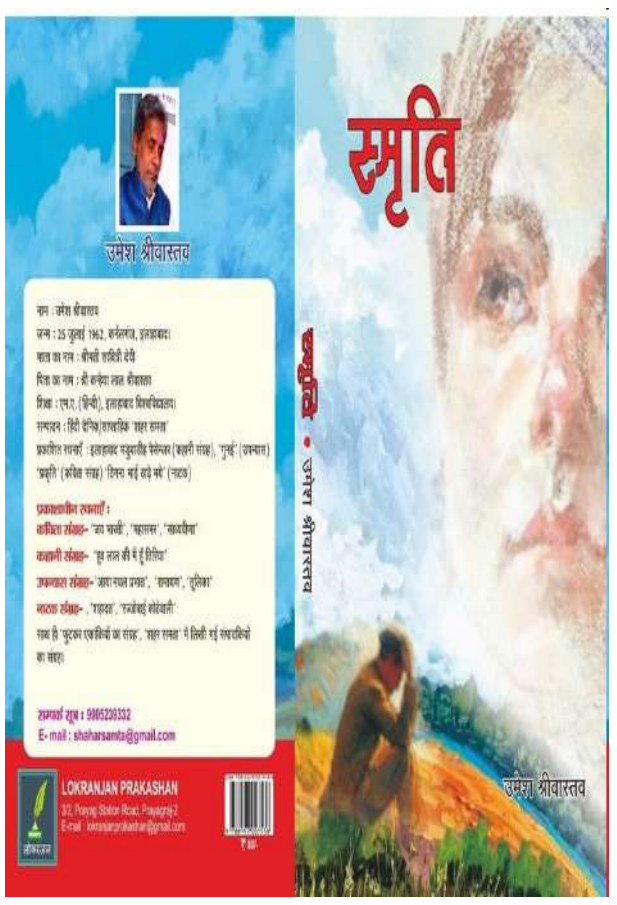

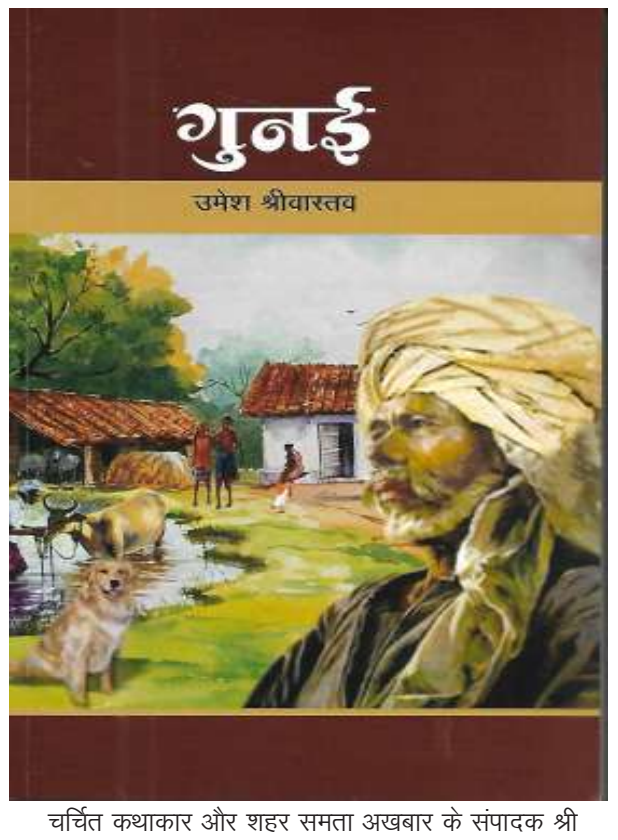

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

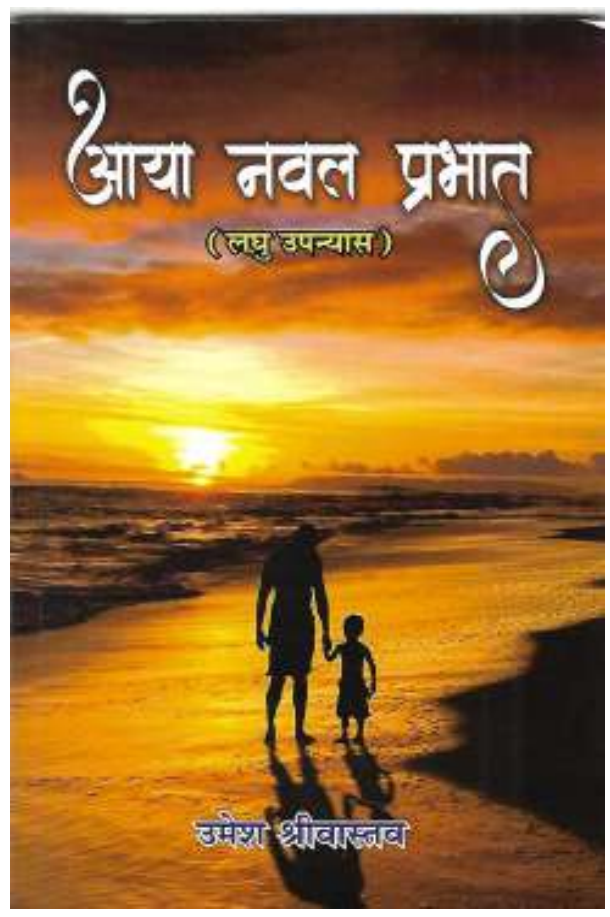

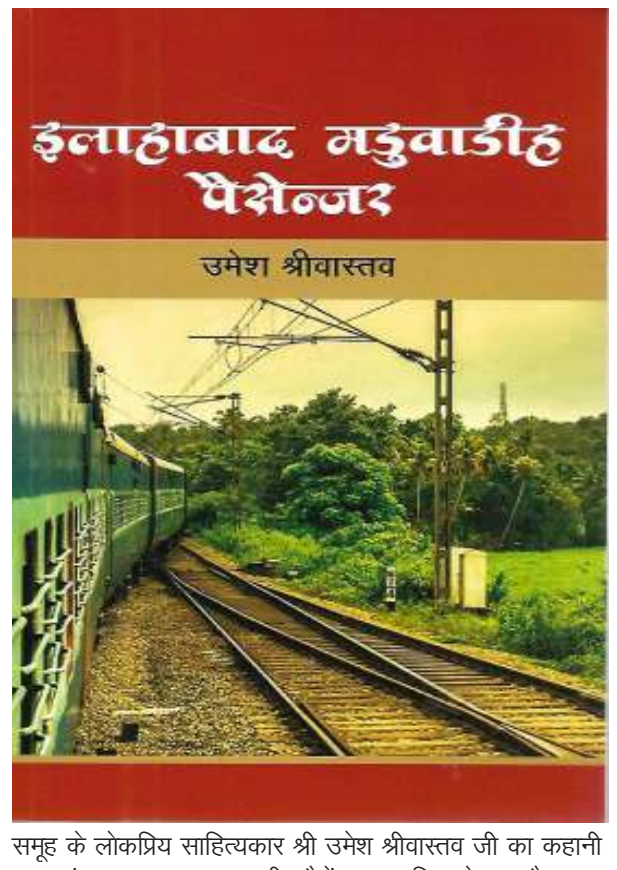

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

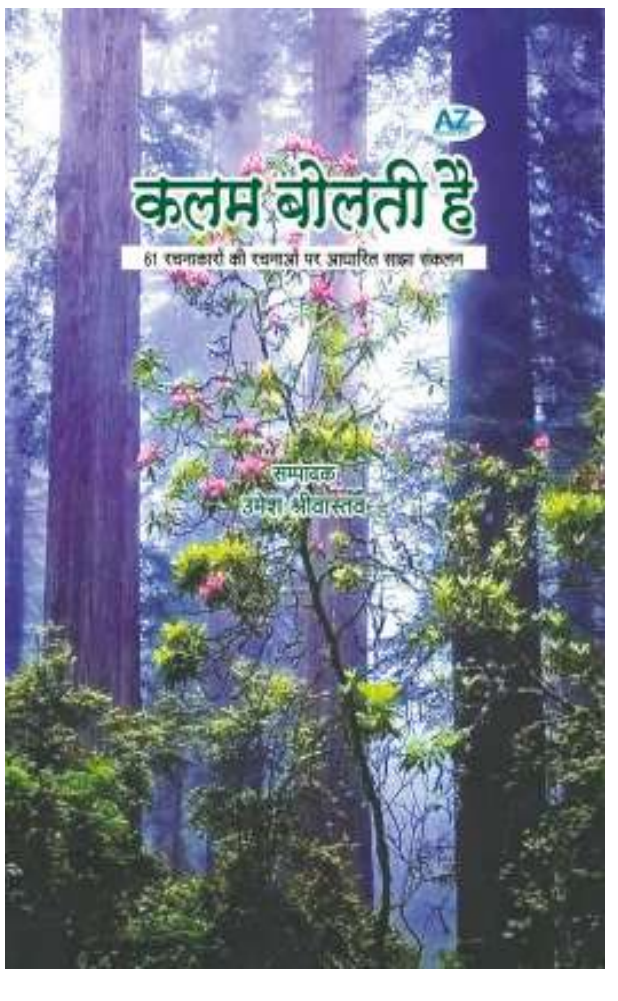

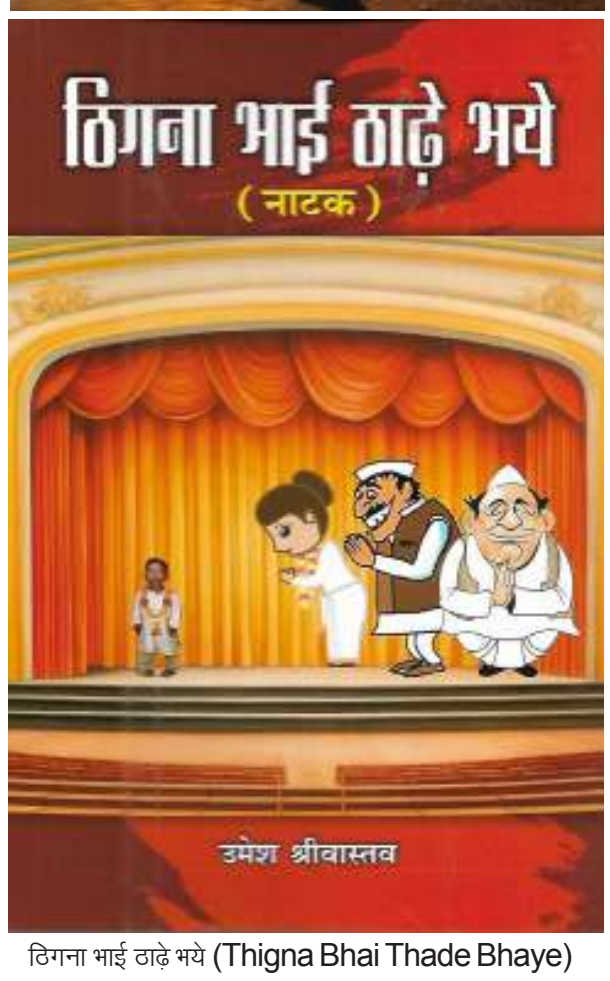

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

जेल में कैसे कट रहे इमरान खान के दिन ?: वकील ने की पूर्व पाकिस्तानी पीएम से मुलाकात, अब कोर्ट को सौंपेंगे रिपोर्ट

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल में हैं। उनकी स्थिति जानने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश पर तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के वकील सलमान सफदर को श्कोर्ट का दोस्तश (एमिकस क्यूरी) नियुक्त किया है। इस आदेश के बाद सलमान सफदर ने मंगलवार को रावलपिंडी की अदियाला जेल जाकर इमरान खान से मुलाकात की। डॉन के मुताबिक, यह मुलाकात करीब तीन घंटे तक चली। जेल से बाहर आने के बाद सफदर ने मीडिया को बताया कि इमरान खान ठीक हैं और स्वस्थ दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह मुलाकात के बारे में ज्यादा जानकारी अभी नहीं दे सकते क्योंकि उन्हें अपनी रिपोर्ट सीध ो कोर्ट को सौंपनी है। कोर्ट ने उन्हें बुधवार तक इमरान के रहने के हालात पर लिखित रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। इससे पहले चीफ जस्टिस याह्या अफरीदी और जस्टिस शाहिद बिलाल हसन की बेंच ने पीटीआई नेता लतीफ खोसा की उस अर्जी को ठुकरा दिया था, जिसमें उन्होंने इमरान से तुरंत मिलने की मांग की थी। बेंच ने कहा कि दूसरे पक्ष को सुने बिना ऐसा आदेश नहीं दिया जा सकता। इसके बाद कोर्ट ने सरकार को नोटिस जारी किया और दोबारा शुरू हुई सुनवाई के दौरान, चीफ जस्टिस अफरीदी ने सलमान सफदर को एमिकस क्यूरी नियुक्त किया और उन्हें रिपोर्ट फाइल करने का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल मंसूर उस्मान अवान ने बताया कि अगस्त 2023 में इमरान खान की सेहत और जेल के हालात पर एक रिपोर्ट दी गई थी। हालांकि, चीफ जस्टिस ने कहा कि वह रिपोर्ट अटक जेल से संबंधित थी। अब इमरान अदियाला जेल में हैं, इसलिए वहां के मौजूदा हालात की नई रिपोर्ट जरूरी है। कोर्ट ने साफ किया कि सलमान सफदर को इमरान से पूरी तरह मिलने दिया जाए और उन्हें जेल के बाहर इंतजार न कराया जाए। कोर्ट अब इस मामले पर 12 फरवरी को अगली सुनवाई करेगा। पीटीआई ने हाल ही में आरोप लगाया था कि इमरान खान के साथ जेल में बुरा बर्ताव हो रहा है। पार्टी का कहना है कि अस्पताल में इमरान का कोई गुप्त मेडिकल प्रोसीजर किया गया और उनके परिवार को इसकी जानकारी नहीं दी गई। पीटीआई ने मांग की है कि इमरान को उनके डॉक्टरों, वकीलों और परिवार से मिलने की इजाजत दी जाए।

संक्षिप्त

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में बदलाव: व्हाइट हाउस ने अमेरिकी दालों को सूची से हटाया, समझिए क्या है इसके मायने

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच हाल ही में हुए अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां दोनों देशों के बीच हुए इस व्यापार समझौते की

एक महत्वपूर्ण सूचना में अब बदलाव किया है। पहले जारी तथ्य पत्र में कुछ दालों को शामिल किया गया था, लेकिन अब उन्हें सूची से हटा दिया गया है। इस बात की जानकारी व्हाइट हाउस की ओर से बयान जारी कर दिया गया। इसका मतलब है कि भारत पर अमेरिकी दालों के आयात शुल्क में बदलाव अभी स्पष्ट नहीं है। बता दें कि व्हइट हाउस की ओर से जारी पहली तथ्य पत्र में में कहा गया था कि भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक सामानों और कुछ खाद्य और कृषि उत्पादों पर आयात शुल्क कम करेगा या हटा देगा। इनमें खास तौर पर सूखे अनाज, लाल ज्वार, पेड़ के मेवे, फल और नट्स, कुछ दालें, सोयाबीन तेल, शराब और वाइन शामिल थी।

बांग्लादेश चुनाव की तैयारी: आधे से ज्यादा मतदान केंद्र संवेदनशील, कड़ी सुरक्षा के बीच लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश महीनों से उबलते सियासी घमासान के बाद अब फैसले की दहलीज पर खड़ा है। कल यानी 12 फरवरी को होने वाले आम चुनाव केवल सरकार चुनने की कवायद नहीं, बल्कि देश की कानून–व्यवस्था, लोकतंत्र और स्थिरता की भी अग्निपरीक्षा हैं। ऐसे में चुनाव आयोग का हालिया बयान इस चुनाव और मतदान को लेकर सियासी टकराव और इसकी गंभीरता को उजागर कर रहा है। बांग्लादेश चुनाव आयोग का मानना है कि देश के आधे से ज्यादा मतदान केंद्र संवेदनशील घोषित किए गए हैं। इसके लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। साथ ही इन केंद्रों पर खास निगरानी भी रखी जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, करीब 90 प्रतिशत मतदान केंद्रों पर सीसीवीटी कैमरे लगाए गए हैं। राजधानी ढाका में तैनात कई पुलिसकर्मी पहली बार बॉडी कैमरा पहनकर ड्यूटी करेंगे, ताकि हर गतिविधि पर नजर रखी जा सके। चुनाव आयुक्त अबुल फजल मोहम्मद सनाउल्लाह ने मंगलवार देर रात मीडिया को बताया कि चुनाव आयोग की सुरक्षा योजना जोखिम के आकलन पर आधारित है। उन्होंने कहा कि हर इलाके की स्थिति को देखकर सुरक्षा बलों की तैनाती की जा रही है। चुनाव आयोग का कहना है कि यह चुनाव देश के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी सुरक्षा तैनाती के साथ कराया जा रहा है और तकनीक का भी सबसे ज्यादा इस्तेमाल हो रहा है। पुलिस महानिरीक्षक बहादुरुल आलम ने बताया कि देश के करीब 43,000 मतदान केंद्रों में से 24,000 केंद्र उच्च या मध्यम स्तर के संवेदनशील हैं। पुलिस के अनुसार ढाका के 2,131 मतदान केंद्रों में से 1,614 केंद्र संवेदनशील हैं। हालांकि, सेना ने एक अलग मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि ढाका शहर में केवल दो केंद्र ही जोखिम भरे हैं। ऐसे में इन आंकड़ों में अंतर को लेकर सवाल भी उठे हैं। अधिकारियों ने बताया कि संवेदनशील मतदान केंद्रों पर तैनात पुलिसकर्मी पहली बार बॉडी–वॉर्न कैमरा इस्तेमाल करेंगे। इससे किसी भी तरह की गड़बड़ी को रिकॉर्ड किया जा सकेगा। वहीं चुनाव आयुक्त सनाउल्लाह ने कहा कि चुनाव आयोग मौजूदा कानून–व्यवस्था से काफी हद तक संतुष्ट है। उनका कहना है कि पहले के मुकाबले इस बार स्थिति कहीं बेहतर है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार इस बार के चुनाव में कुल 12 करोड़ 77 लाख से ज्यादा मतदाता मतदान करेंगे। पहली बार वोट देने वाले मतदाता करीब 3.58 प्रतिशत हैं। खास बात यह भी है कि इस बार चुनाव एक जनमत संग्रह के साथ हो रहे हैं, जिसमें 84 बिंदुओं वाले जटिल सुधार प्रस्ताव पर जनता की राय ली जा रही है। दूसरी ओर बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात–ए–इस्लामी (जो पहले बीएनपी की सहयोगी थी) के बीच कड़ा मुकाबला भी माना जा रहा है।

सोशल मीडिया की लत पर ऐतिहासिक मुकदमा, बच्चों को नुकसान के लिए मेटा-यूट्यूब को जिम्मेदार ठहराने की मांग

वॉशिंगटन, एजेंसी। बच्चों और किशोरों में सोशल मीडिया की बढ़ती लत को लेकर अमेरिका में बड़ा कानूनी मोर्चा खुल गया है। लॉस एंजिलिस में एक ऐतिहासिक मुकदमे की शुरुआती सुनवाई हुई, जिसमें आरोप लगाया गया कि बड़े सोशल मीडिया मंच जानबूझकर बच्चों को स्क्रीन का आदी बना रहे हैं। इस मामले में इंस्टाग्राम की मालिक कंपनी मेटा और गूगल के यूट्यूब को बच्चों को हुए मानसिक और व्यवहारिक नुकसान के लिए जिम्मेदार ठहराने की मांग उठी है। सुनवाई के दौरान वादी पक्ष के वकील मार्क लैनियर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की तुलना कैसीनो और नशे की लत से की। उन्होंने कहा कि इन प्लेटफॉर्म का डिजाइन ऐसा बनाया गया है कि बच्चे ज्यादा से ज्यादा समय तक जुड़े रहें। मुकदमे में दावा किया गया कि एल्गोरिदम, ऑटो–प्ले, अनंत स्क्रोल और रिवार्ड पैटर्न जैसे फीचर लत पैदा करने वाले तरीके से तैयार किए गए। वादी पक्ष ने अदालत में कहा कि मेटा और यूट्यूब ने ऐसे डिजाइन विकल्प अपनाए जो बच्चों को बार–बार प्लेटफॉर्म पर लौटने के लिए उकसाते हैं। आरोप है कि यह केवल तकनीकी सुविधा नहीं बल्कि सोच–समझकर बनाई गई रणनीति है। पहले इस मुकदमे में टिकटॉक और स्नैप का नाम भी शामिल था, लेकिन दोनों कंपनियों ने अज्ञात राशि पर समझौता कर लिया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

ईरान मुद्दे पर ट्रंप से मिलेंगे नेतन्याहू, परमाणु वार्ता पर रखेंगे पक्ष, अन्य मुद्दों पर भी चर्चा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव जारी है। हाल ही में ओमान में दोनों देशों के बीच पर परमाणु समझौते पर पहले दौर पर बैठक बेनतीजा रही। हालांकि आने वाले दिनों में फिर से वार्ता की जाएगी। इस बीच इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करने वाले हैं। जिसकी जानकारी व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने दी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस्राइली पीएम नेतन्याहू से मुलाकात करेंगे। इस बैठक में मुख्य रूप से ऊर्जा नीति और नियमों में ढील (डीरेगुलेशन) पर चर्चा होने की संभावना है। प्रेस ब्रीफिंग के दौरान लेविट ने यह भी घोषणा की है कि राष्ट्रपति ट्रंप साल 2009 में ओबामा प्रशासन के दौरान किए गए श्एंडेंजर्मेंट फाइंडिंगश (खतरा निध ार्रण) को रद्द करने जा रहे हैं। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, श्राष्ट्रपति इस्राइली पीएम नेतन्याहू के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। इस सप्ताह का बाकी समय ऊर्जा और डीरिगुलेशन पर केंद्रित रहेगा। गुरुवार को राष्ट्रपति ट्रंप, प्रशासक ली जेल्डिन के साथ मिलकर 2009 की ओबामा–कालीन एंडेंजर्मेंट फाइंडिंग को औपचारिक रूप से रद्द करेंगे। यह अमेरिकी इतिहास की सबसे बड़ी डीरेगुलेशन कार्रवाई होगी, जिससे अमेरिकी नागरिकों को 1.3 ट्रिलियन डॉलर के कठोर नियमों से राहत मिलेगी। इसी के साथ व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कहा, श्राष्ट्रपति हमेशा एक जैसे रहे हैं और उन्होंने जेफरी एपस्टीन को मार–ए–लागो में अपने क्लब से निकाल दिया था, क्योंकि जेफरी एपस्टीन एक घिनौना इंसान था। इन फाइलों में जिन दूसरे लोगों के नाम हैं, उनसे अलग, राष्ट्रपति ट्रंप ने जेफरी एपस्टीन के साथ अपने रिश्ते खत्म कर दिए और साल तक इस बारे में ईमानदार और पारदर्शी रहे। मुझे लगता है कि राष्ट्रपति ने जो भी कहा है, वह हमेशा सच रहा है। जेफरी एपस्टीन और उसके घिनौने, घिनौने अपराध ों से जुड़े 30 लाख से ज्यादा दस्तावेज का जारी होना दिखाता है कि इस राष्ट्रपति और प्रशासन ने इन फाइलों को सामने लाने में कितनी पारदर्शिता दिखाई है। मंगलवार को वॉशिंगटन रवाना होते समय नेतन्याहू ने कहा कि वे ट्रंप से मुलाकात में ईरान के साथ अमेरिका की परमाणु वार्ता पर अपना रुख रखेंगे। श्द टाइम्स ऑफ इस्राइलश के अनुसार उड़ान भरने से पहले नेतन्याहू ने मीडिया से कहा, श्मैं राष्ट्रपति के सामने वार्ता को लेकर अपने सिद्धांतों और दृष्टिकोण को पेश करूंगा।श उन्होंने आगे कहा कि ये सिद्धांत न सिर्फ इस्राइल के लिए बल्कि दुनिया के हर उस देश के लिए अहम हैं, जो शांति और सुरक्षा चाहता है। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप प्रशासन गुरुवार को उस वैज्ञानिक निर्णय को औपचारिक रूप से रद्द करने जा रहा है, जिसके आधार पर अमेरिका में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को नियंत्रित करने का अधिकार सरकार को मिला था। फ्रांस 24 की रिपोर्ट के अनुसार पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (म्ब्।) ने पिछले साल 2009 की एंडेंजर्मेंट फाइंडिंग को पलटने का प्रस्ताव रखा था, जिसे जलवायु कार्रवाई के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। यह फैसला पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में लिया गया था, जिसमें कहा गया था कि कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन सहित छह ग्रीनहाउस गैसें मानव स्वास्थ्य और कल्याण के लिए खतरा हैं और जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा देती हैं। यह निर्णय 2007 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले, मैसाचुसेट्स बनाम ईपीए, पर आधारित था, जिसमें यह फैसला सुनाया गया था कि ग्रीनहाउस गैसें स्वच्छ वायु अधिनियम के तहत प्रदूषक हैं और ईपीए को यह निर्धारित करने का निर्देश दिया गया था कि क्या वे सार्वजनिक स्वास्थ्य और कल्याण के लिए खतरा पैदा करती हैं।

ट्रंप अपनी ही पार्टी के सांसदों से घिरे, चुनाव में धांधली की जांच में दखल पर कटघरे में राष्ट्रपति

वॉशिंगटन, एजेंसी।अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से 2020 के चुनाव नतीजों को पलटने की कोशिशों की जांच को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। रिपब्लिकन सांसदों ने आरोप लगाया है कि जांच के दौरान कुछ मौजूदा सांसदों के फोन रिकॉर्ड हासिल करने के लिए हद से ज्यादा दखल देने वाले तरीके अपनाए गए। मंगलवार को सीनेट की एक सुनवाई में रिपब्लिकन नेताओं ने बड़ी टेलीकॉम कंपनियों से सवाल किए कि उन्होंने अभियोजकों को सांसदों के फोन रिकॉर्ड क्यों दिए?

मामले में रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा कि अगर ऐसा किसी डेमोक्रेट सांसद के साथ होता, तो यह दुनिया भर की सुर्खियां बनता। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि मेरे साथ जो हुआ, मैं उसका हकदार था। जांच के दौरान अभियोजकों ने उन सांसदों के कॉल रिकॉर्ड लिए थे, जिनसे ट्रंप ने 6 जनवरी 2021 को संपर्क किया था। उस दिन कांग्रेस में जो बाइडन की जीत की पुष्टि हो रही थी। हालांकि, अधिकारियों ने साफ किया कि रिकॉर्ड में सिर्फ यह जानकारी थी कि कॉल कब हुई और कितनी देर चली। बातचीत की सामग्री रिकॉर्ड नहीं की गई थी। सीनेट न्यायिक समिति के अध्यक्ष चक ग्रासले ने बताया कि कुल मिलाकर 20 मौजूदा या पूर्व रिपब्लिकन सांसदों के फोन रिकॉर्ड के लिए समन जारी किए गए थे। वहीं डेमोक्रेट सांसदों ने रिपब्लिकन नेताओं की नाराजगी को गलत बताया। उनका कहना है कि 6 जनवरी 2021 को ट्रंप समर्थकों ने कैपिटल भवन पर हमला किया था, जो लोकतंत्र पर बड़ा हमला था। ऐसे में यह जांच जरूरी था। डेमोक्रेट सीनेटर शेल्डन व्हाइटहाउस ने कहा कि न्याय विभाग की जांच, कैपिटल पर हुए हमले से ज्यादा गंभीर नहीं थी। वहीं पूर्व संघीय अभियोजक माइकल रोमानो ने भी कहा कि फोन कॉल के रिकॉर्ड जुटाना किसी भी आपराधिक जांच में सामान्य प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि सरकार की तरफ से रिकॉर्ड जुटाए जाने से कोई नुकसान नहीं हुआ। टेलीकॉम कंपनियों के वकीलों ने सुनवाई में कहा कि उन्होंने सिर्फ कानून का पालन किया। वेरिजोन कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी क्रिस मिलर ने कहा कि हमें कानून के तहत यह जानकारी देने के लिए बाध्य किया गया था। हम वैध कोर्ट ऑर्डर को नजरअंदाज नहीं कर सकते। उन्होंने यह भी बताया कि समन में यह नहीं बताया गया था कि ये नंबर सांसदों के हैं। साथ ही, कोर्ट के आदेश के कारण कंपनी संबंधित नेताओं को पहले से सूचना भी नहीं दे सकती थी। इसके साथ ही टी–मोबाइल और एटीएंडटी ने भी इसी तरह का बयान दिया। एटीएंडटी के अधिकारी डेविड मैकएटी ने कहा कि एक मामले में उन्होंने विशेष कानूनी सुरक्षा (संविधान की 'स्पीच या डिबेट' क्लॉज) को लेकर सवाल उठाया, लेकिन बाद में अभियोजकों ने वह समन वापस ले लिया। वेरिजोन ने कहा है कि अब से सांसदों से जुड़ी जानकारी देने से पहले कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया जाएगा। जहां संभव होगा, संबंधित सांसद को भी जानकारी दी जाएगी और गोपनीयता आदेश को चुनौती दी जाएगी।

दो प्रदर्शनकारियों की मौत के बाद बवाल, आईसीई प्रमुख ने यूएस कांग्रेस के सामने किया अपने अधिकारियों का बचाव

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की सख्त आव्रजन नीति के खिलाफ डेमोक्रेट्स और आम लोगों में गुस्सा है। इस बीच आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) प्रमुख टॉड लायन्स कांग्रेस (अमेरिकी संसद) के सामने पेश हुए, जहां उन्होंने अपने अधिकारियों की कार्रवाई का बचाव किया। इसी के साथ लायन्स ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सामूहिक निर्वासन (डिपोर्टेशन) नीति को लागू करते समय उनके अधिकारी किसी भी तरह के दबाव या डर से पीछे नहीं हटेंगे। टॉड लायन्स उन तीन एजेंसी प्रमुखों में शामिल थे, जिन्हें दो अमेरिकी नागरिकों की संघीय अधिकारियों की गोलीबारी में मौत के बाद संसद में बुलाया गया। इस सुनवाई के दौरान डेमोक्रेट सांसदों ने कड़े सवाल किए, जबकि ज्यादातर रिपब्लिकन सांसदों ने एजेंसियों का समर्थन किया। इस दौरान लायन्स ने कहा, श्जो लोग सोचते हैं कि वे हमें डरा सकते हैं, उन्हें मैं साफ संदेश देना चाहता हूं, वे असफल होंगे। हम अभी शुरुआत कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि अधिकारियों के खिलाफ बढ़ती बयानबाजी और विरोध प्रदर्शनों से उनके कर्मचारियों की जान खतरे में पड़ी है। हालांकि, उन्होंने दोनों मौतों पर सीधे टिप्पणी करने से कई बार परहेज किया, लेकिन उन्होंने कहा कि उनके अधिकारी पीछे नहीं हटेंगे। दरअसल, हाल के हफ्तों में विशेषकर मिनियापोलिस में हुई गोलीबारी में हुई मौतों के बाद, ट्रंप के आव्रजन अभियान की गहन जांच–पड़ताल की गई है।

कनाडा के स्कूल में गोलीबारी, हमलावर समेत दस की मौतय शहर में बढ़ाई गई सुरक्षा

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां एक स्कूल में हुई गोलीबारी में हमलावर समेत दस लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए हैं। यह जानकारी मंगलवार को कनाडाई पुलिस ने दी। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) के अनुसार, संदिग्ध हमलावर मृत पाया गया है। पुलिस का मानना है कि उसने खुद को गोली मारी। हालांकि, अधिकारी यह भी जांच कर रहे हैं कि क्या इस घटना में कोई दूसरा संदिग्ध भी शामिल था। बता दें कि गोलीबारी टम्बलर रिज नामक छोटे शहर में हुई, जिसकी आबादी लगभग 2,400 लोग है। पुलिस ने लोगों से घर के अंदर रहने और सुरक्षित रहने की अपील की है। आसपास के क्षेत्रों से अतिरिक्त पुलिस बल भी भेजे गए हैं। पीस रिवर साउथ स्कूल डिस्ट्रिक्ट ने बताया कि टम्बलर रिज सेकेंडरी स्कूल और टम्बलर रिज एलीमेंट्री स्कूल को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ाई गई है। बता दें कि टम्बलर रिज सेकेंडरी स्कूल में कक्षा 7 से 12 तक लगभग 175 छात्र पढ़ते हैं। पीस रिवर साउथ के विधायक लैरी न्यूफेल्ड ने कहा कि इस घटना के बाद पुलिस और एंबुलेंस जैसी अतिरिक्त टीमें भेजी गई हैं। उन्होंने सुरक्षा कारणों से ज्यादा जानकारी साझा करने से इनकार किया। उन्होंने समुदाय के लोगों से अपील की है कि जो लोग अपने परिजनों को ढूंढ रहे हैं, कृपया घर लौट जाएं और पुलिस को काम करने दें। कैनेडियन माउंटेड पुलिस इस खूबसूरत शहर को फिर से सुरक्षित बनाएगी।

हिंसा के मुहाने पर दक्षिण सूडान: संयुक्त राष्ट्र ने दी कड़ी चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। दक्षिण सूडान में बढ़ते राजनीतिक टकराव और हिंसा को लेकर संयुक्त राष्ट्र ने गंभीर चेतावनी जारी की है। संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों के प्रमुख ने कहा है कि देश खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। सरकार और विपक्ष के बीच बढ़ते अविश्वास और टकराव से हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों को फिर से बातचीत की मेज पर लाने की अपील की है। संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों के अवर महासचिव जीन–पियरे लाक्रोआ ने सुरक्षा परिषद को बताया कि राजनीतिक गतिरोध अब सीधे हिंसा में बदल रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष खुद को आत्मरक्षा में कार्रवाई करने वाला बता रहे हैं, लेकिन साथ ही बड़े पैमाने पर लड़ाई की तैयारी भी कर रहे हैं। उन्होंने साफ कहा कि अगर जल्द संवाद शुरू नहीं हुआ तो हालात और खतरनाक हो सकते हैं। दक्षिण सूडान ने वर्ष 2011 में सूडान से अलग होकर आजादी पाई थी। लेकिन दिसंबर 2013 में जातीय आधार पर गृहयुद्ध छिड़ गया।

राष्ट्रपति साल्वा कीर के समर्थक गुट और रीक मचार के समर्थक गुट आमने–सामने आ गए। इस संघर्ष में चार लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई। वर्ष 2018 में शांति समझौता हुआ और राष्ट्रीय एकता सरकार बनी, जिसमें कीर राष्ट्रपति और मचार उपराष्ट्रपति बने। लेकिन समझौते का पूरा पालन अब तक नहीं हो पाया है। मार्च 2025 में तनाव बड़े स्तर पर बढ़ा जब एक नुएर मिलिशिया ने सेना के एक ठिकाने पर कब्जा कर लिया। इसके बाद सरकार ने रीक मचार और सात अन्य विपक्षी नेताओं पर राजद्रोह, हत्या और आतंकवाद समेत कई गंभीर आरोप लगाए। उपराष्ट्रपति को निलंबित कर दिया गया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।